RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | गुरुवार, 13 अगस्त 2026 | वर्षः 04, अंकः 144 पृष्ठः 08, मूल्यः 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हंगामे की भेंट चढ़ सकता है मॉनसून सत्रः पक्ष-विपक्ष अड़ा

सरकार हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार हैः शाह, स्पीकर चर्चा के लिए घंटे तय करेंः मैं सदन में रहूंगा, स्पीकर बिरला को लेटर लिखा, राहुल बोले- हमें लेक्चर नहीं सुनना

नई दिल्ली/एजेंसी

गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को लेटर लिखा। उन्होंने नीट पेपर लीक पर छात्रों के प्रदर्शन के मुद्दे पर चर्चा के लिए समय तय करने की मांग की। इससे पहले सुबह सदन के बाहर शाह ने मीडिया से बातचीत में कहा था कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार है, लेकिन विपक्ष सदन को चलने दे। इस पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, हमें उनका लेक्चर नहीं सुनना है। पहले ये बताएं कि जंतर-मंतर पर छात्रों पर गोलियां किसने चलवाईं। उन्होंने आदेश नहीं दिया तो वे इस्तीफा दें। इस बीच सरकार ने एफसीआरए संशोधन बिल, 2026 को जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी यानी जेपीसी के पास भेजने का प्रस्ताव लोकसभा में रखा, जिसे मंजूरी मिल गई। समिति में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य होंगे। शाह ने पहली बार इस मुद्दे पर सार्वजनिक बयान दिया, कहा- रोज सदन में आ रहा हूं।

राहुल बोले- शाह सदन में क्यों नहीं आए

राहुल ने कहा- स्टूडेंट्स को गोली किसने मारी? स्टूडेंट्स को कीलों वाली लाठियों से पीटने का ऑर्डर किसने दिया? क्या अमित शाह ने हमारे बच्चों को गोली मारने का ऑर्डर दिया था? अगर उन्होंने दिया है, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। राहुल ने आगे कहा- शाह घर के सामने हजार पुलिस वाले खड़े होते हैं। 30 गाड़ियां उनके आगे पीछे होती हैं कि कहीं कोई बच्चा न आ जाए। पिछले 20 दिनों से अमित शाह गायब हैं। गृह मंत्री में हिम्मत नहीं है। वह सदन में नहीं आ सकते।

लोकसभा की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित

सदन में हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही 13 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

विदेशी फंडिंग से जुड़ा एफसीआरए विधेयक जेपीसी को भेजा गया

लोकसभा ने हंगामे के बीच एफसीआरए संशोधन बिल, 2026 को दोनों सदनों की संयुक्त समिति (जेपीसी) के पास भेजने का प्रस्ताव मंजूर कर लिया।

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने इसका विरोध किया। इसपर संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि कुछ बिलों को जेपीसी के पास भेजा जाता है और सरकार भी यही कर रही है। बिल में कुछ आपत्तिजनक है तो विपक्ष जेपीसी के सामने अपनी बात रख सकता है। खुश होने के चक्कर में इसका विरोध करना अफसोस की बात है। वहीं, अखिलेश यादव ने एफसीआरए बिल का विरोध करते हुए कहा कि पूरा विपक्ष इसके खिलाफ है। रिजिजू के इस दावे पर कि बिल अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं है, अखिलेश ने सवाल किया- आप बताइए कि कौन सा बिल अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं है?

विपक्ष ने ही विधेयक को जेपीसी में भेजे जाने की मांग रखी थी

दूसरी ओर संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि विपक्ष ने ही विधेयक को जेपीसी में भेजे जाने की मांग रखी थी। उन्होंने कहा कि कोई विषय है तो उसे जेपीसी में रखा जा सकता है। विपक्ष इसका स्वागत करने की जगह विरोध कर रहा है। यह देश को सुरक्षित रखने की बात है। अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने का सवाल ही नहीं है। नियम और संवैधानिक व्यवस्था के लिए कानून जरूरी है। सरकार के पत्र सूचना कार्यालय का कहना है कि विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) को लेकर कई धारणाएं अधूरी जानकारी पर आधारित हैं। एफसीआरए विदेशी चंदे पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाता बल्कि पंजीकरण और पारदर्शिता की शर्तों के साथ इसकी अनुमति देता है।

विपक्ष चर्चा से पीछे हट रहा हैः किरण रिजिजू

नई दिल्ली/एजेंसी

संसद के मानसून सत्र में जारी गतिरोध के बीच संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने बुधवार को कहा कि वह मौजूदा स्थिति से निराश हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में पहली बार वे ऐसी स्थिति देख रहे हैं, जब सरकार खुद संसद में चर्चा के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष चर्चा से पीछे हट रहा है। किरण रिजिजू ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, मैं पूरी तरह निराश हूं। पहली बार अपने जीवन में ऐसी स्थिति देख रहा हूं, जहां सरकार संसद में चर्चा चाहती है लेकिन विपक्ष चर्चा से भाग रहा है। उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में सामान्य तौर पर विपक्ष चर्चा की मांग करता है और सरकार उस पर जवाब देती है लेकिन मौजूदा स्थिति इसके बिल्कुल उलट है। उन्होंने कहा कि सरकार स्पष्ट रूप से कह रही है कि वह चर्चा कराने और सभी सवालों के जवाब देने के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष सरकार का जवाब सुनना नहीं चाहता। लोकतंत्र के लिए यह अच्छी स्थिति नहीं है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि सरकार ने विपक्ष के सामने बार-बार चर्चा के लिए अपनी सहमति और तत्परता जाहिर की लेकिन विपक्ष इसके लिए तैयार नहीं हो रहा है।

सरकार सदन में खुले, व्यापक और विस्तृत तरीके से चर्चा के लिए तैयारः अमित शाह

केंद्रीय गृहमंत्री को एकबार फिर लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखना पड़ा। रिजिजू के मुताबिक, गृह मंत्री ने लोकसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में दोहराया है कि सरकार सदन में खुले, व्यापक और विस्तृत तरीके से चर्चा के लिए तैयार है। साथ ही गृह मंत्री ने लोकसभा अध्यक्ष से विपक्षी नेताओं को चर्चा के लिए सहमत कराने का आग्रह किया है। सरकार हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार है, लेकिन विपक्ष सदन को चलने दे। इस पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, हमें उनका लेक्चर नहीं सुनना है। पहले ये बताएं कि जंतर-मंतर पर छात्रों पर गोलियां किसने चलवाईं।

राज्यसभा से राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक 2026 ध्वनिमत से पारित

राज्यसभा ने बुधवार को करीब एक घंटे तक चली चर्चा के बाद राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026 को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इससे पहले यह विधेयक मंगलवार को लोकसभा से भी पारित हो चुका है।

शिवसेना विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने उद्धव ठाकरे गुट से पूछा- 'शिवसेना' का मतलब किससे है?

नई दिल्ली/एजेंसी

शिवसेना विवाद पर सुनवाई करते हुए उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को पूछा कि शिवसेना का मतलब किससे है, पूरी राजनीतिक पार्टी, कार्यसमिति या विधायी दल से। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये सवाल शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल से पूछा। सुनवाई के दौरान सिब्बल ने कहा कि शिवसेना नियमों से चलने वाली पार्टी है और ये पार्टी जन प्रतिनिधित्व कानून की धारा 29ए के तहत हर छोटे-बड़े बदलाव की जानकारी निर्वाचन आयोग को देती है। उन्होंने कहा कि पार्टी के नियमों के मुताबिक पार्टी प्रमुख को चुनने का अधिकार सिर्फ राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पास है। सिब्बल ने कहा कि बागी गुट ने बिना कोई लोकतांत्रिक प्रक्रिया अपनाए ही पार्टी प्रमुख को हटा दिया और खुद कुर्सी पर बैठ गए, जो कि शिवसेना के संविधान का सीधा उल्लंघन था। इसके पहले 6 अगस्त को उच्चतम न्यायालय ने शिवसेना के संशोधित संविधान पर सवाल खड़े करते हुए कहा था कि ऐसा लगता है कि ये पार्टी एक व्यक्ति केंद्रित है।

4

1

पत्नी की हत्या के आरोपी शिक्षक को पुलिस ने किया गिरफ्तार, वारदात में प्रयुक्त सामान बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। कोतवाली नगर पुलिस ने पत्नी की हत्या के मामले में वांछित आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पत्नी की हत्या कर घटना को दुर्घटना का रूप देने का प्रयास किया था। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त सामान भी बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

पुलिस के मुताबिक, राधानगर थाना क्षेत्र के जखनी गांव निवासी धर्म सिंह ने 9 अगस्त को कोतवाली में तहरीर देकर बताया था कि उनकी बेटी शालिनी यादव की शादी वर्ष 2017 में असोथर थाना क्षेत्र के अन्दीपुर निवासी दिलीप कुमार से हुई थी। दंपती का आठ वर्षीय पुत्र है। आरोप है कि दिलीप के किसी अन्य महिला से संबंध थे, जिसका शालिनी विरोध करती थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था और दिलीप द्वारा उसे जान से मारने की धमकी भी दी जाती थी।

तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 368/2026 के तहत धारा 103(1)/238 बीएनएस में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार 7/8 अगस्त की रात शालिनी की हत्या कर साक्ष्य मिटाने के लिए मकान को पानी से धोया गया और घटना को दुर्घटना का रूप देने का प्रयास किया गया।

पूछताछ में सामने आई वारदात की कहानी

पुलिस की पूछताछ में आरोपी दिलीप कुमार ने बताया कि पिछले करीब डेढ़ वर्ष से उसका पत्नी के साथ विवाद

चल रहा था। आरोपी के अनुसार उसे पत्नी के किसी अन्य व्यक्ति से संबंध होने का शक था। साथ ही पत्नी के बिना बताए बाहर जाने और अपनी आय खर्च करने को लेकर भी दोनों में विवाद होता था। दिलीप प्राथमिक विद्यालय में सरकारी शिक्षक है, जबकि शालिनी फतेहपुर के टुथ मिशन स्कूल में प्राइवेट अध्यापिका थी।

आरोपी ने पुलिस को बताया कि 8 अगस्त की सुबह करीब 5:15 बजे शालिनी आंगन में बर्तन धो रही थी। इसी दौरान उसने कथित तौर पर कुकर के ढक्कन से उसके सिर पर पीछे से तीन बार प्रहार किया। शालिनी के गिरने के बाद पास रखा कांच का गिलास टूट गया और उसके पैर में कांच का टुकड़ा लग गया। इसके बाद आरोपी ने उसे पानी से भरे प्लास्टिक के बाथटब में डालकर गर्दन पकड़कर पानी में डुबोए रखा, जिससे उसकी मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, घटना के बाद आरोपी ने बाथटब का वाल्व खोलकर पानी बहा दिया, ताकि खून के निशान पानी के साथ बह जाएं। इसके बाद वह मोटरसाइकिल से मॉर्निंग वॉक के लिए निकल गया और कुछ समय बाद वापस लौटा।

आरोप है कि इसके बाद उसने अपने भाइयों भूपेन्द्र और संदीप को बुलाकर शालिनी के गिरने से चोट लगने की बात बताई और टियागो कार से उसे ताम्बेश्वर मंदिर के पास स्थित अपेक्षा हॉस्पिटल ले गया। वहां चिकित्सकों ने शालिनी को मृत घोषित कर दिया। शव को वापस किराये के मकान पर लाकर आरोपी ने मौत को हादसा बताने का प्रयास किया।

पुलिस ने बताया कि विवेचना के दौरान सामने आए तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आरोपी दिलीप कुमार पुत्र महादेव प्रसाद, निवासी अन्दीपुर थाना असोथर, हाल निवासी मोहल्ला नासिरपीर, थाना कोतवाली, फतेहपुर को 12 अगस्त को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार घटना में प्रयुक्त आला कत्ल एवं अन्य सामान बरामद कर लिया गया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

केंद्रीय विद्यालय के निर्माण के लिए चिन्हित भूमि का डीएम ने किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज तहसील मंझनपुर के अंतर्गत ग्राम पाता में केंद्रीय विद्यालय के निर्माण के लिए चिन्हित भूमि का निरीक्षण कर मौके पर वस्तुस्थिति का जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी,मंझनपुर राज कुमार मौर्य से चिन्हित भूमि की स्थिति एवं उपलब्ध क्षेत्रफल आदि जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि आवश्यक कार्यवाही समयबद्ध सुनिश्चित किया जाए।

डीएम ने महामाया राजकीय महाविद्यालय, ओसा में बिल्डिंग मरम्मत कार्यों का किया निरीक्षण

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज महामाया राजकीय महाविद्यालय,ओसा का निरीक्षण कर महाविद्यालय में कराए जा रहे बिल्डिंग मरम्मत कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान प्राचार्य, महामाया राजकीय महाविद्यालय से मरम्मत कार्यों की प्रगति एवं वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि अधिशासी अभियंता, यूपीसीएलडीएफ से समन्वय कर बिल्डिंग मरम्मत कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराया जाए, जिससे महाविद्यालय में पठन-पाठन एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियां सुचारु रूप से संचालित हो सकें।

जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता, यूपीसीएलडीएफ से महाविद्यालय में चल रहे मरम्मत कार्यों की प्रगति के संबंध में आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता एवं समयबद्धता पर विशेष ध्यान देने के भी निर्देश दिए।

दहेज मृत्यु के 3 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । 10 अगस्त को थाना संदीपनघाट पर वादी नेम कुमार पुत्र स्व0 बचऊ निवासी ग्राम कूरा थाना सराय अकिल जपनद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि मेरी पुत्री का विवाह लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व महगांव निवासी राजकुमार पुत्र महेश प्रसाद के साथ हुआ था । शादी के बाद से ही उसके ससुरालीजनों द्वारा अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया जाता था न मिलने पर आज उनके द्वारा मेरी पुत्री की हत्या कर दी गयी है ।

बुधवार को थाना संदीपनघाट पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित 3 वांछित अभियुक्तों राजकुमार मौर्य पुत्र महेश प्रसाद . महेश प्रसाद पुत्र ननकू लाल . रानी देवी पत्नी महेश प्रसाद निवासीगण ग्राम महगांव थाना संदीपनघाट जपनद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत कौशाम्बी पुलिस ने निकाली भव्य तिरंगा रैली

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज
कौशाम्बी। हर घर तिरंगा अभियान के तहत बुधवार को कौशाम्बी पुलिस की ओर से देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और अखंडता की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भव्य तिरंगा रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ पुलिस ऑफिस, कौशाम्बी से हुआ।

रैली में पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण, अपर पुलिस अधीक्षक अमिता सिंह, क्षेत्राधिकारीगण सहित जनपद के पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर तथा नगर पालिका अध्यक्ष वीरेन्द्र फौजी भी मौजूद रहे।

तिरंगा रैली में पुलिस ऑफिस में तैनात महिला उपनिरीक्षकों और महिला आरक्षियों ने स्कूटी व हेलमेट के साथ विशेष उत्साह से भाग लिया। पुलिसकर्मी हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश देते हुए आगे बढ़े। इस दौरान राष्ट्रभक्ति के नारों से वातावरण गूंज उठा।

रैली के माध्यम से आमजन को राष्ट्रध्वज के सम्मान, देश के प्रति कर्तव्य तथा राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही नागरिकों से अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने और हर घर तिरंगा अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता करने की अपील की गई।

रैली के दौरान पुलिसकर्मियों में खासा उत्साह और देशभक्ति का भाव नजर आया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज देश की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है, इसलिए स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रत्येक नागरिक को तिरंगे के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए अभियान में भागीदारी करनी चाहिए।

कौशाम्बी पुलिस की ओर से हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने और आमजन में राष्ट्रभक्ति व राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने के लिए लगातार जागरूकता एवं जनसहभागिता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने वाले अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । मंगलवार को थाना सैनी पर एक वादिनी द्वारा सूचना दी गयी कि अभियुक्त इन्द्रजीत मेरी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा ले गया है । प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना सैनी में तत्काल सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत किया गया था ।

बुधवार को थाना सैनी पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त इन्द्रजीत पुत्र स्व0 नरेश निवासी ग्राम हकीमपुर थाना कड़ाधाम जनपद कौशाम्बी को कनवार मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया है एवं पीड़िता को सकुशल बरामद किया गया ।

तिरंगा यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं, आमजन एवं यात्रियों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता : मोहित अग्रवाल

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में 80वें स्वतंत्रता दिवस-2026 के अवसर पर ह्यहर घर तिरंगाह्न अभियान में गुरूवार को प्रस्तावित तिरंगा यात्रा में उमड़ने वाली भीड़ को लेकर जिला प्रशासन सतर्क है। बुधवार शाम पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल व जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार ने तिरंगा यात्रा के निर्धारित मार्ग पर पैदल भ्रमण किया। अफसरों ने सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ सावन मास में आने वाले श्रद्धालुओं, आमजन एवं यात्रियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।

पुलिस आयुक्त ने काशी विद्यापीठ से सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय तक तिरंगा यात्रा के प्रस्तावित मार्ग का पैदल निरीक्षण करते हुए मार्ग की स्थिति, यातायात व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन एवं सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा मार्ग पर संवेदनशील स्थानों, प्रमुख चौराहों एवं भीड़ वाले क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, बैरिकेडिंग एवं प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि यात्रा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हो। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान महिला सुरक्षा, आपातकालीन स्थिति से निपटने तथा संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर सतर्क निगरानी रखी जाए। साथ ही ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी जनता से समन्वय बनाकर कार्य करें।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शहर में सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए पुलिस अधिकारियों को समुचित सुरक्षा प्लान के साथ मुस्तैद रहने तथा तिरंगा यात्रा के सफल आयोजन हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

इस दौरान अपर पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था/मुख्यालय) शिवहरी मीणा, पुलिस उपायुक्त काशी जोन गौरव बंशवाल, पुलिस उपायुक्त यातायात अनिल कुमार यादव, अपर पुलिस उपायुक्त काशी जोन वैभव बांगर भी मौजूद रहे।

10 हजार रुपये की इनामिया अभियुक्ता गिरफ्तार एवं बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । 16 जनवरी को थाना कोखराज पर वादिनी सरोज देवी पत्नी स्व0 धारा सिंह निवासिनी ग्राम चकमहापुर थाना कोखराज जपनद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि घर व जमीन के बटवारे को लेकर विपक्षीगणों द्वारा एक राय होकर जान से मारने की नीयत से लाठी डण्डो से हमला कर दिया एवं तमंचे से फायर कर दिया जिससे मेरा बेटा घायल हो गया है । घटना की गम्भीरता के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी द्वारा घटना से सम्बन्धित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था ।

थाना कोखराज पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित 10,000 /- की इनामिया वांछित अभियुक्ता कविता देवी पत्नी सुघर सिंह उर्फ दारा यादव निवासिनी ग्राम चकमहापुर पाण्डेय मऊ थाना कोखराज जपनद कौशाम्बी को सैय्यद सरावां से गिरफ्तार किया गया एवं कानून का उल्लघन करने वाले बालक को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया ।

पच्चीस हजार का इनामी बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़ा

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। कल्यानपुर पुलिस द्वारा गैंगेस्टर एक्ट के अभियोग में वांछित 25 हजार रुपए के इनामिया बदमाश को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, धारा 2/3 यूपी गैंगेस्टर एक्ट से संबंधित इनामिया वांछित शातिर बदमाश शिवम यादव निवासी पालीखेड़ा मजरे मौहार, थाना कल्यानपुर, जनपद फतेहपुर है। थाने में लिखापढ़ी करने के बाद इसे जेल भेज दिया गया।

प्रसव के दौरान महिला की मौत, परिजनों ने अस्पताल में किया हंगामा

चिकित्सक ने हार्ट अटैक से मौत होने की बात कही, आरोपों को बताया निराधार

संजीव विश्वकर्मा
सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर। स्योहारा में बीती रात प्रसव के दौरान एक महिला की मौत हो गई। घटना धामपुर रोड स्थित एक निजी अस्पताल की बताई जा रही है। महिला की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा करते हुए चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। बाद में अस्पताल प्रबंधन और परिजनों के बीच मामले का पटाक्षेप होने की बात सामने आई, जिसके बाद यह मामला नगर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार चकमहदूद सानी निवासी हफीजा को प्रसव पीड़ा होने पर धामपुर रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजनों के मुताबिक प्रसव के दौरान महिला की हालत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। महिला की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल में नाराजगी जताते हुए चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई और रिपोर्ट दर्ज कराने की बात कही।

बताया गया कि बाद में अस्पताल संचालक और परिजनों के बीच बातचीत के बाद मामले का पटाक्षेप हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर चचाएं शुरू हो गई हैं। लोगों ने स्वास्थ्य विभाग से निजी अस्पतालों में मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं की जांच कराने की मांग की है।

वहीं अस्पताल संचालक डॉ. सलीम ने महिला की मौत का कारण हार्ट अटैक बताया। उन्होंने अस्पताल पर लगाए जा रहे आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि परिजनों ने कोई हंगामा नहीं किया और वे महिला के शव को लेकर चले गए। उन्होंने किसी प्रकार की लापरवाही से इनकार किया।

महिला की मौत का वास्तविक कारण चिकित्सकीय जांच और उपलब्ध अभिलेखों से ही स्पष्ट हो सकेगा।

महिला पुलिस की काउंसलिंग से 3 पारिवारिक विवादों का समाधान, दंपतियों ने साथ रहने पर जताई सहमति

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । एसपी सत्यनारायण के निर्देशन में महिला थाना पुलिस द्वारा पारिवारिक विवादों के निस्तारण एवं परिवारों में आपसी सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से निरंतर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं।

बुधवार को महिला थाना प्रभारी द्वारा पति-पत्नी के मध्य चल रहे 03 पारिवारिक विवादों में दोनों पक्षों को बुलाकर उनकी समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा आपसी संवाद एवं समझाइश के माध्यम से विवाद का समाधान कराने का प्रयास किया गया।

पुलिस की सकारात्मक पहल एवं समझाइश से दोनों पक्षों के मध्य सुलह-समझौता कराया गया, जिसके उपरांत पति-पत्नी ने आपसी मतभेद भुलाकर साथ रहने तथा भविष्य में विवाद को आपसी बातचीत के माध्यम से सुलझाने पर सहमति व्यक्त की।

महिला थाना पुलिस द्वारा पारिवारिक विवादों में काउंसलिंग, संवाद एवं समझौते के माध्यम से परिवारों को टूटने से बचाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है।

एनसीजेडसीसी में यादगार लम्हें छोड़ गया 'लोई चले कबीरा संग' नाट्य मंचन

कबीर और लोई की जीवंत भूमिका देख दर्शक हुए अभिभूत

'लोई चले कबीरा संग' नाट्य मंचन ने मुंबई के बाद प्रयागराज में मचाई धूम

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। 'लोई चले कबीरा संग' नाट्य मंचन के बहाने कबीर और लोई को मंच पर देखना कम रोमांचकारी नहीं था। प्रभावी संवाद, शानदार अभिनय और बेहतरीन संगीत की लयबद्धता के साथ प्रकाश संयोजन ने दर्शकों को आखिरी वक्त तक बांधे रखा। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार की अनुदान योजना के तहत समन्वय संस्था द्वारा प्रस्तुत नाटक 'लोई चले कबीरा संग' देखने बड़ी संख्या में दर्शक दूर दराज से आए। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनसीजेडसीसी) परिसर की खचाखच भरी दर्शक दीर्घा और तालियों की बार बार गड़गड़ाहट नाटक की सफलता और प्रभावी प्रस्तुति की गवाह बनी। नाटक के लेखक प्रताप सोमवंशी ने अनुभव साझा करते हुए बताया कि दस साल के शोध के बाद कबीर और लोई का ये कथानक तैयार किया गया। लोकप्रियता का आलम यह कि बारह भाषाओं में इसका अनुवाद भी किया गया है। मुंबई के बाद प्रयागराज का ये दूसरा शो है। दिल्ली से नाटक देखने आए वरिष्ठ पत्रकार प्रभात ओझा की महत्वपूर्ण टिप्पणी रही - इस दौर में कबीर और लोई पर इस तरह लिखना और सुषमा शर्मा के निर्देशन में शानदार नाट्य मंचन सामान्य बात नहीं है।

एनसीजेडीसी के निदेशक सुदेश शर्मा, संस्कार भारती के केंद्रीय संगठन मंत्री अभिजीत गोखले, अतुल द्विवेदी, सुरेंद्र त्रिपाठी, रवींद्र कुशवाहा ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वरिष्ठ पत्रकार, कवि प्रताप सोमवंशी द्वारा लिखित नाटक 'लोई चले कबीरा संग' का निर्देशन सुषमा शर्मा ने किया। नाटक का ताना बाना हिंदू - मुस्लिम, ऊँच - नीच जैसे तमाम मुद्दों पर केंद्रित रहा। नाटक में कबीर अपने संवाद और दोहे के माध्यम से कई जगह कटाक्ष करते नजर आए तो शादी के बाद पत्नी के साथ बातचीत करते हुए, सेठ के बेटे से ही विवाह कर लेने जैसी निश्छल सलाह भी देने में पीछे नहीं रहते। नाटक के अंत में बादशाह सिकंदर लोदी के दरबार में लोई का बादशाह से तीखी बहस होती है। तमतमाए बादशाह द्वारा हाथी से कुचलवा देने पर घायल लोई अपने बच्चों और पति कबीर से कहते हुए कि अब जाने का वक्त आ गया है, कबीर के बाहों में निढाल होकर गिरती है। बात करते करते लोई की आवाज धीमी होती है, और उसके प्राण छूट जाते हैं। बैक ग्राउंड में कबीर के दोहे और भजन की धुन धीरे धीरे मद्धिम होती जाती है। फफकते हुए कबीर का बच्चों से ये कहना कि 'आज तेरा बाबा लोई हो गया रे।' और इसे कहते हुए कबीर का लोई में विलीन होना दर्शकों को झकझोर देता है। और, नाटक का यही अंत हो जाता है। कबीर बने शिव गुप्ता और लोई की भूमिका में मिताली का अभिनय खूब सराहा गया। चंकी बच्चन, रमेश धुरिया, दीपेंद्र सिंह, मीना उरांव, विजय कुमार, अरुण शुक्ला, राहुल, यासमीन और प्रज्ञान राय ने विभिन्न भूमिकाओं में प्रभावी अभिनय किया। केंद्र निदेशक की तरफ से कलाकारों और अतिथियों को सम्मानित भी किया गया।

हमारा तिरंगा हमारा स्वाभिमान है और देश के लिए हमेशा अपना सर्वस्व अर्पण करने की अटूट प्रेरणा है- धर्मराज

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। विधानसभा मंझनपुर एवं चायल के छह सांगठनिक मण्डल में निकाली गई तिरंगा यात्रा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य सहित पार्टी कार्यकताओं एवं आमजनमानस ने लिया प्रतिभाग।

विधानसभा मंझनपुर के सांगठनिक मण्डल सरसवां,पश्चिम शरीरा,करारी व विधानसभा चायल के सांगठनिक मण्डल नेवादा,सराय अकिल,चायल में निकाली गई तिरंगा यात्रा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक चायल पूजा पाल,जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने तिरंगा यात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि तिरंगा भारत के गौरव,पराक्रम और स्वाभिमान का वह प्रतीक है,जिसके सामने हर भारतीय का मस्तक श्रद्धा से झुकता है।

यह हमें उन अनगिनत वीरों के त्याग और बलिदान की याद दिलाता है,जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।हमारा तिरंगा उन वीर सपूतों के बलिदान की कहानी कहता है,जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता और गौरव के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। तिरंगे का प्रत्येक रंग हमें त्याग,शांति,साहस और सत्य के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।तिरंगा किसी दल,वर्ग या क्षेत्र की पहचान नहीं,बल्कि पूरे भारत की साझा अस्मिता है। इसकी छांव में पूरा देश एक है। इसलिए इस अभियान को जन-जन का अभियान बनाते हुए गांव,गली,मोहल्ले और प्रत्येक परिवार तक राष्ट्रभक्ति का संदेश पहुंचाना हम सभी का दायित्व है।आज की युवा पीढ़ी तिरंगे को केवल हाथ में न उठाए,बल्कि उसके मूल्यों को अपने जीवन में उतारे। देश के प्रति ईमानदारी,समाज के प्रति जिम्मेदारी और राष्ट्रहित के लिए समर्पण ही सच्ची देशभक्ति है।हर घर तिरंगा अभियान देश की मिट्टी से भावनात्मक जुड़ाव का अभियान है। यह अभियान हमें याद दिलाता है कि हमारी पहली पहचान भारतीय है और राष्ट्रहित से बड़ा कोई हित नहीं।इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष मंझनपुर बीरेंद्र सरोज फौजी,चेयरमैन सराय अकिल अनूप सिंह,मण्डल अध्यक्ष दुर्गेश नंदन मिश्रा,प्रमोद भार्गव,रमेश लोधी,राजीव पाल,शांतिभूषण पटेल,सुषमा साहू,तिरंगा यात्रा मण्डल संयोजक ज्ञान मौर्य,मनोज सिंह,गणेश मौर्य,वरुण पाण्डेय,भवन जायसवाल सहित सम्मानित कार्यकर्तागण उपस्थित रहें।

मंडलायुक्त ने संग्रहालय परिसर का भ्रमण कर विभिन्न गैलरियों का अवलोकन किया

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज । मंडलायुक्त डॉ. लोकेश एम ने आज निदेशक, इलाहाबाद संग्रहालय के रूप में संग्रहालय परिसर का भ्रमण कर विभिन्न गैलरियों का अवलोकन किया। उन्होंने प्रदर्शित कलाकृतियों, संग्रहालय की व्यवस्थाओं एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी लेने के साथ ही अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर संग्रहालय से संबंधित आवश्यकताओं एवं समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक में अवगत कराए जाने पर कि संग्रहालय में उपलब्ध लगभग 90 प्रतिशत कलाकृतियां वर्तमान में रिजर्व में रखी हुई हैं, मंडलायुक्त ने रिजर्व में संरक्षित प्राचीन एवं ऐतिहासिक महत्व की कलाकृतियों, विशेष रूप से पुराने एवं स्टोन स्कल्पचर्स को चरणबद्ध तरीके से प्रदर्शन में लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसी कलाकृतियों को लोगों के सामने लाने से नई पीढ़ी को उनके ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझने तथा उनसे जुड़ने का अवसर मिलेगा। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक तीन माह में थीम के आधार पर प्रदर्शित कलाकृतियों में बदलाव किया जाए, ताकि आगंतुकों को हर बार कुछ नया देखने को मिले और संग्रहालय के प्रति उनकी रुचि एवं आकर्षण बना रहे।

निरीक्षण के दौरान संग्रहालय की नेचुरल हिस्ट्री गैलरी में पक्षियों से संबंधित प्रदर्शित पुराने संरक्षित नमूनों एवं अवशेषों का भी अवलोकन किया गया। उन्होंने निर्देश दिए कि जो नमूने अत्यधिक पुराने हो चुके हैं और

नियमानुसार प्रतिस्थापित किए जा सकते हैं, उनके संबंध में प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत किया जाए, ताकि आवश्यक अग्रेतर कार्रवाई की जा सके।

बैठक में मानसून के दृष्टिगत आगामी 25 अगस्त तक मानसून प्रदर्शनी आयोजित करने के निर्देश दिए गए। इसमें शहर के कलाकारों को आमंत्रित कर मानसून विषय पर तैयार उनकी पेंटिंग्स प्रदर्शित की जाएंगी। प्रदर्शनी में फोटो प्रदर्शनी को भी शामिल करने तथा आगे अन्य विषयों पर प्रदर्शनियों के आयोजन की रूपरेखा तैयार करने के भी निर्देश दिए गए। साथ ही, स्कूलों के विद्यार्थियों को आमंत्रित कर ऑन-द-स्पॉट ऑयल एवं कैनवस पेंटिंग आयोजित कराने को कहा गया, ताकि युवा पीढ़ी में कला एवं संग्रहालय के प्रति रुचि को बढ़ावा मिल सके।

इलाहाबाद संग्रहालय को आधुनिक सुविधाओं से युक्त एवं विश्वस्तरीय स्वरूप प्रदान करने के लिए मंडलायुक्त ने देश के प्रमुख संग्रहालयों की कार्यप्रणाली, नवाचारों एवं बेहतर व्यवस्थाओं का अध्ययन करने पर जोर दिया।

उन्होंने पटना एवं बेंगलुरु के विश्वस्तरीय संग्रहालयों से प्रेरणा लेते हुए इलाहाबाद संग्रहालय के विकास के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में पटना संग्रहालय की टीम को आमंत्रित कर अनुभव एवं विशेषज्ञता का आदान-प्रदान करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में उपस्थित नगर आयुक्त को मंडलायुक्त ने संग्रहालय परिसर के अंदर एवं बाहर मेगा क्लीनिंग ड्राइव चलाकर समुचित साफ-सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। मानसून के कारण उत्पन्न परिस्थितियों को देखते हुए परिसर में आवश्यकतानुसार पेड़ों की छंटाई एवं अन्य अनुरक्षण कार्य भी प्राथमिकता से कराने को कहा गया।

संग्रहालय की गतिविधियों, प्रदर्शनियों एवं उपलब्धियों को सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्यापक स्तर पर प्रचारित एवं प्रसारित करने के भी निर्देश दिए गए, ताकि अधिक से अधिक लोग संग्रहालय की गतिविधियों से जुड़ सकें और इसकी समृद्ध विरासत से परिचित हो सकें।

गोवध में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार,जेल

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत फूलपुर थाना पुलिस और एसओजी/सर्विलांस सेल गंगानगर की संयुक्त टीम ने गोवध निवारण अधिनियम के मुकदमे में वांछित एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ

नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान मुसुफ उर्फ सफिक (50) पुत्र स्व. अब्दुल रशीद, निवासी जमीलाबाद, कस्बा फूलपुर, थाना फूलपुर, कमिश्नरेट प्रयागराज के रूप में हुई है। उसे बुधवार, 12 अगस्त को फूलपुर थाना क्षेत्र के मुबारकपुर मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के मुताबिक, 4 अगस्त को ग्राम माली का पूरा खंसार स्थित एक घर में गोवध कर मांस बेचने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस ने दबिश देकर दो अभियुक्ताओं को करीब तीन किलोग्राम गौमांस और एक चापड़ के साथ गिरफ्तार किया था। इसी मामले में मुकदमा दर्ज किया गया था।

पुलिस ने बताया कि मामले में इससे पहले दो अभियुक्ताओं और दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है। बुधवार को वांछित अभियुक्त मुसुफ उर्फ सफिक की गिरफ्तारी के बाद मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में
प्रभारी निरीक्षक शेषनाथ पाल, वरिष्ठ उपनिरीक्षक सौरभ पाण्डेय, एसओजी/सर्विलांस सेल प्रभारी उपनिरीक्षक सुखचैन तिवारी, उपनिरीक्षक देवेशचन्द तथा कांस्टेबल कप्तान सिंह और सूरज चौहान शामिल रहे।

तमंचा कारतूस के साथ दो गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। औद्योगिक थाना क्षेत्र पुलिस द्वारा एक अवैध तमंचा .315 बोर, एक कारतूस .315 बोर व बाइक और मोबाइल के साथ दो अभियुक्त गिरफ्तार किए गए। पुलिस ने बताया कि चेकिंग के दौरान पकड़े गए दोनों अभियुक्तों में जितेन्द्र मिश्रा मूल निवासी वराजापुर गुडमंडी थाना राजापुर चित्रकूट, हाल पता गीता विद्यामंदिर इण्टर कालेज एडीए थाना नैनी प्रयागराज और शिवनन्दन पाल निवासी मवैया थाना औद्योगिक क्षेत्र प्रयागराज शामिल हैं। इन दोनों को बीपीसीएल कम्पनी के पीछे रोड से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की मानें तो पूछताछ करने पर अभियुक्त द्वारा बताया गया कि तमंचा -कारतूस शौक के लिए रखते हैं। पुलिस ने दोनों को जेल भेज दिया।

बाल कलाकारों ने अभिनय से दर्शकों को किया अभिभूत

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। मंच पर जब अहिल्याबाई का न्याय, साहस और नेतृत्व जीवंत हुआ और महारानी लक्ष्मीबाई की तलवार ने अंग्रेजी हुकूमत को चुनौती दी, तो पूरा प्रेक्षागृह

इतिहास के गौरवशाली पलों का साक्षी बन गया। बाल कलाकारों के दमदार संवाद, भावपूर्ण अभिनय और प्रभावशाली मंचन ने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। प्रस्तुति के दौरान पूरा प्रेक्षागृह 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के नारों से गूंजता रहा। देशभक्ति से ओत-प्रोत दृश्यों पर दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से बाल कलाकारों का उत्साह बढ़ाया।

उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'शिक्षा में रंगमंच' के अंतर्गत आयोजित 'बाल रंग उत्सव' के दूसरे दिन बुधवार को केंद्र प्रेक्षागृह में इतिहास की दो महान विभूतियों महारानी अहिल्याबाई होलकर और महारानी लक्ष्मीबाई के जीवन पर आधारित नाटकों का शानदार मंचन हुआ।

उमेश भाटिया के निर्देशन में 'अहिल्याबाई' नाटक का मंचन निवेदिता शिक्षा सदन, वाराणसी के बाल कलाकारों ने किया। नाटक में अहिल्याबाई होलकर के व्यक्तित्व को एक कुशल शासिका के साथ-साथ न्याय, संवेदना, नेतृत्व और नारी शक्ति की प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया।

अहिल्याबाई के जीवन संघर्ष, उनकी प्रशासनिक क्षमता, लोककल्याण की भावना और दृढ़ निर्णयों को मंच पर प्रभावशाली ढंग से उकेरा गया। नाटक में भारतीय दर्शन और जीवन-मूल्यों का गहरा समावेश देखने को मिला।

प्रस्तुति ने संदेश दिया कि नारी केवल परिस्थितियों की साक्षी नहीं, बल्कि इतिहास की दिशा बदलने वाली शक्ति भी है। अहिल्याबाई का जीवन आज भी महिला सशक्तिकरण और नेतृत्व के लिए प्रेरणा देता है।

जब मंच पर गूंजी लक्ष्मीबाई की हुंकार
इसके बाद डॉ. हिमांशु द्विवेदी के निर्देशन में ह्यमहारानी लक्ष्मीबाईह्व का मंचन हुआ। नाटक ने दर्शकों को सीधे 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौर में पहुंचा दिया। यह प्रस्तुति कक्षा 6 के पाठ्यक्रम में शामिल सुभद्रा कुमारी चौहान की प्रसिद्ध कविता 'झाँसी की रानी' तथा कक्षा 7 के पाठ्यक्रम में शामिल 'नींव का पत्थर' नाटक से प्रेरित थी।

नाटक में दिखाया गया कि अंग्रेज झाँसी पर अधिकार करना चाहते हैं, लेकिन रानी लक्ष्मीबाई मातृभूमि की रक्षा के लिए संघर्ष का संकल्प लेती हैं। उनके सामने परिस्थितियां कठिन होती जाती हैं, लेकिन उनका साहस और स्वाभिमान कभी कमजोर नहीं पड़ता।

जूही और मुंदर ने रानी का मनोबल बढ़ाया। बाल कलाकारों ने अपने अभिनय के जरिए से दिखाया कि लक्ष्मीबाई के साथ युद्धभूमि में खड़े प्रत्येक सैनिक, साथी और सहयोगी का योगदान इतिहास में उतना ही महत्वपूर्ण है। प्रस्तुति लक्ष्मीबाई की वीरगाथा के साथ-साथ राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले उन अनगिनत वीरों को श्रद्धांजलि भी बन गई।

नाट्य प्रस्तुतियों में रेशमा ने अहिल्याबाई होलकर, उन्नति ने मल्हार राव तथा अपर्णा ने आतंकवादी की भूमिका निभाई और अपने शानदार अभिनय से दर्शकों की खूब सराहना बटोरी।

वहीं लक्ष्मीबाई, जूही, मुंदर, रघुनाथ राव, तात्या, रामचंद्र और गोरा सहित सभी बाल कलाकारों ने अपने सशक्त अभिनय से मंच को जीवंत कर दिया। बाल कलाकारों की संवाद अदायगी, भाव-भंगिमा और मंचीय अनुशासन ने यह साबित किया कि रंगमंच बच्चों में केवल अभिनय की प्रतिभा नहीं निखारता, बल्कि उन्हें इतिहास, साहित्य, संस्कृति और सामाजिक मूल्यों से भी जोड़ता है।

दीप प्रज्ज्वलन से हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ
कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि आचार्य अमिता पाण्डेय, दर्शनशास्त्र विभाग, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, प्रयागराज; विशिष्ट अतिथि सहायक आचार्य सुरेन्द्र कुमार, संगीत विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज; केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा, उपनिदेशक डॉ. मुकेश उपाध्याय एवं कार्यक्रम सलाहकार कल्पना सहाय ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं केंद्र निदेशक ने नाट्य प्रस्तुतियों में प्रतिभाग करने वाले सभी बाल कलाकारों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।

सीडीओ ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय एवं कंपोजिट विद्यालय का किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती हर्षिका सिंह ने आज खंड विकास अधिकारी कौड़िहार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार एवं डीसी बालिका संतोष पांडे के साथ कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, कौड़िहार का निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यालय की शैक्षिक एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

मुख्य विकास अधिकारी ने विद्यालय परिसर में स्थित कंपोजिट विद्यालय दुखीपुर का भी भ्रमण किया। उन्होंने परिषदीय विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों से गणित, अंग्रेजी एवं हिंदी विषय से संबंधित प्रश्न पूछकर उनके शैक्षिक स्तर का आकलन किया। बच्चों द्वारा मुख्य विकास अधिकारी के सवालों के संतोषजनक उत्तर दिए

जाने तथा अंग्रेजी की कहानी सुनाए जाने पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की और बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के साथ बैठकर मध्याह्न भोजन (एमडीएम) भी ग्रहण किया।

उन्होंने छात्राओं के साथ भोजन करते हुए उनसे संवाद किया तथा विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। छात्राओं के साथ भोजन करने के अनुभव को उन्होंने सुखद बताते हुए कहा कि बच्चों के साथ समय बिताना और उनके साथ भोजन करना उनके लिए विशेष अनुभव है।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में कक्षा-9 में नामांकित छात्राओं को स्टेशनरी एवं बैग का वितरण भी किया गया। उन्होंने छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने, नियमित विद्यालय आने तथा अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करने हेतु प्रेरित किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विद्यालय की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने तथा छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में हर घर तिरंगा और नशा मुक्ति रैली

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में राष्ट्रीय भावना और सामाजिक जागरूकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। उच्च शिक्षा अनुभाग-3, उत्तर प्रदेश शासन के पत्र के अनुपालन में विश्वविद्यालय की समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में हर घर तिरंगा अभियान 2026 के अंतर्गत तिरंगा यात्रा एवं नशा मुक्ति जागरूकता रैली का सफल आयोजन किया गया।कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर से हुई। हाथों में तिरंगा लिए छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों का जुलूस पूरे जोश के साथ मिलन

चौक से होता हुआ गंगा परिसर में हुआ। वातावरण देशभक्ति के नारों और वंदे मातरम गीतों से गूंज उठा। अध्यक्षता विश्वविद्यालय कुलपति आचार्य सत्यकाम ने की। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. एस कुमार, मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो. सत्यपाल तिवारी, शिक्षा विद्याशाखा के निदेशक प्रो. पीके स्टालिन, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की प्रभारी प्रो. मीरा पाल, प्रो. एके मलिक ने भी सहभागिता की। इसके अतिरिक्त डॉ. सुनील कुमार, प्रो. आनंदानंद त्रिपाठी, प्रो. संजय कुमार सिंह, डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, डॉ. दीपिशिखा श्रीवास्तव, डॉ. सुभाष चन्द्र पाल, श्री राजेश सिंह, डॉ. सोहिनी देवी, कामना यादव, डॉ. राजन प्रकाश, डॉ. आकांक्षा गुप्ता, कुमार अनूप सहित सभी विद्याशाखाओं के शिक्षकगण, शोध छात्र-छात्राएं एवं विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ इस यात्रा में भाग लिया।

महामाया बारवारी प्रीतम नगर दुर्गा पूजा समिति ने शुरू की 2026 की तैयारियां

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। महामाया बारवारी प्रीतम नगर दुर्गा पूजा समिति की आम सभा बैठक मंगलवार को व्हाइट हाउस, साकेत नगर में आयोजित हुई. बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष गौतम बनर्जी ने की. इस दौरान आगामी दुर्गा पूजा 2026 को भव्य, दिव्य और ऐतिहासिक स्वरूप देने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई. बैठक में पंडाल निर्माण, पूजा-अर्चना की व्यवस्था, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भंडारा, सुरक्षा और स्वच्छता समेत विभिन्न तैयारियों पर विचार-विमर्श किया गया. समिति के सदस्यों ने आयोजन को

बेहतर बनाने के लिए अपने सुझाव भी रखे. इस मौके पर गौतम बनर्जी को लगातार 17 वर्षों से निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने पर समिति की ओर से उनका अभिनंदन किया गया. नई कार्यकारिणी में वरिष्ठ उपाध्यक्ष सोनू गुप्ता, महामंत्री शशिकांत कनौजिया, कोषाध्यक्ष विक्रांत श्रीवास्तव, उप सचिव सरोज रंजन बनाए गए. संरक्षक की जिम्मेदारी शैलेश श्रीवास्तव, मनीष सेठ, शोभित माध्यम और अखिलेश तिवारी को दी गई। मीडिया प्रभारी विनय रघुवंशी, चीफ पैट्रन मनीष घोष और व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेश गुप्ता चुने गए. बैठक में रवि निषाद, मुकेश राय, रवि कुमार, आशीष वर्मा समेत बड़ी संख्या में समिति के सदस्य मौजूद रहे. अध्यक्ष गौतम बनर्जी ने कहा कि इस वर्ष मां दुर्गा का उत्सव एकता, श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा. उन्होंने श्रद्धालुओं से आयोजन में बढ़-चढ़कर शामिल होने की अपील की।

भाजपा कार्यकताओं ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

सबसे तेज प्रयागराज
नवाबगंज। भाजपा कार्यकताओं ने कौड़िहार ब्लॉक परिसर से सैनिक गेस्ट हाउस कंजिया तक मंडल अध्यक्ष राम कैलाश सरोज के नेतृत्व में एक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। देशभक्ति के जयघोष और तिरंगे के साथ निकाली गई इस यात्रा में बड़ी संख्या में कार्यकताओं और स्थानीय लोगों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में फाफामऊ विधायक गुरु प्रसाद मौर्या एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश मौर्या उपस्थित रहे। अतिथियों ने भारत माता के जयकारों के साथ यात्रा का शुभारंभ किया और देश की एकता व अखंडता का संदेश दिया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से मंडल प्रभारी भूपेन्द्र सिंह, जिला मंत्री राजू पाल, जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेन्द्र मिश्रा, महेन्द्र पांडेय, ओंकार नाथ त्रिपाठी, लाल, अशोक मिश्रा, सुभाष पटेल, गोरीशंकर मिश्रा, विनोद ओझा, ऋतुराज पांडेय, विनय शील, सत्येन्द्र, अमित दुबे, साहिल पटेल, संजय मिश्रा, कुलदीप शुक्ला, छविनाथ शुक्ला, पवन केसरवानी के साथ-साथ बीडीओ कौड़िहार डॉ कंचन यादव एवं उप निरीक्षक ज्ञान तिवारी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और अन्य लोग मौजूद रहे।

नगर विकास मंत्री ने फूलपुर को 2 करोड़ की विकास की दी सौगात

विधायक दीपक पटेल के प्रस्ताव पर सड़क व स्ट्रीट लाइट कार्यों को मिली हरी झंडी

सबसे तेज प्रयागराज
फूलपुर। फूलपुर विधानसभा क्षेत्र के चहुंमुखी विकास और बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक बड़ी सफलता मिली है। विधायक फूलपुर दीपक पटेल द्वारा प्रस्तुत किए गए विकास प्रस्ताव पर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रदेश के नगर विकास मंत्री ने ह्यमुख्यमंत्री नगरीय अल्प विकसित योजनाह्व के तहत क्षेत्र के लिए ?2 करोड़ की धनराशि की स्वीकृति प्रदान कर दी है।

इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के अंतर्गत नगर पंचायत फूलपुर में सड़क निर्माण एवं पथ प्रकाश (स्ट्रीट लाइट) व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण हेतु ?1 करोड़ तथा नगर निगम के विस्तारित क्षेत्र में इन्हीं बुनियादी विकास कार्यों के लिए ?1 करोड़ की धनराशि आवंटित की गई है। योजना के शुरू होने से क्षेत्र की प्रमुख सड़कों की स्थिति सुधरेगी, साथ ही रात्रि के समय बेहतर पथ प्रकाश व्यवस्था से आम नागरिकों और राहगीरों को आवागमन में सुविधा व सुरक्षा मिलेगी। विधायक दीपक पटेल के मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी ने बताया कि विकास कार्यों के इस बड़े बजट की स्वीकृति पर विधायक दीपक पटेल ने खुशी जाहिर करते हुए नगर विकास मंत्री का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, "फूलपुर के सर्वांगीण विकास और क्षेत्रीय जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस महत्वपूर्ण सौगात के लिए मैं स्वयं तथा फूलपुर के समस्त सम्मानित क्षेत्रवासियों की ओर से नगर विकास मंत्री का हृदय से आभार एवं कोटि-कोटि धन्यवाद व्यक्त करता हूं।

दोनइया चौराहे से बहरिया ब्लाक तक निकाली गयी प्रभात फेरी

सबसे तेज प्रयागराज
बहरिया। विकास खण्ड बहरिया क्षेत्र के सोरांव विधान सभा मण्डल बहरिया मे भव्य तिरंगा यात्रा दोनइया चौराहे से प्रारम्भ होकर धमौर व बहरिया बाजार से होते हुये ब्लाक परिसर में स्थित स्वतंत्रता सेनानी स्तम्भ पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर डा0 जे0के0 पटेल रोबिल चैरिटेबुल मानव सेवा संस्थान दोनइया, बहरिया

मण्डल अध्यक्ष पंकज कुमार श्रीवास्तव, पूर्व मण्डल अध्यक्ष राकेश शुक्ला, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष धरनी धर त्रिपाठी, अभयराज पटेल, श्यामलाल मौर्य, राजाराम प्रजापति, सूबेदार सिंह, राजेन्द्र प्रसाद मौर्य, अनुपम मौर्य, रामबाबू मिश्र के साथ समस्त कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासीगण शामिल रहे।

भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई

सबसे तेज प्रयागराज
बहरिया। विधान सभा 255 सोराव के कमलानगर मंडल में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई यात्रा लहटी बाजार से कमला नगर बकसेड़ा होते हुए सिकंदरा काली माता के

मंदिर पर संपन्न हुई यात्रा का नेतृत्व मंडल अध्यक्ष संजय मौर्य ने किया यात्रा के मुख्य अतिथि सदस्य जिला पंचायत आशीष भारतीया रहे विशिष्ट अतिथि श्रीमती संगीता पटेल जिला मंत्री रही यात्रा में मुख्य रूप से मंडल महामंत्री श्रीमान प्रेम शंकर पटेल दूसरे महामंत्री श्रीमान अजय सिंह रहे मंडल उपाध्यक्ष परमिंदर सिंह नवनीत तिवारी सूरज मिश्रा विनाकांत तिवारी कृष्ण कुमार मिश्रा आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे यात्रा गाजे बजे मिष्ठान वितरण के साथ सम्पन्न हुई।

एसडीएम सोरांव के तानाशाही रवैए के विरोध में अधिवक्ताओं का धरना प्रदर्शन

उपजिलाधिकारी सोरांव ने पुलिस बल बुला कर बिना अधिवक्ता एवं वादी प्रतिवादी के चलाई कोर्ट

मोहम्मद रिजवान सैफ खान
सबसे तेज प्रयागराज
सोरांव । तहसील सोराव में बुधवार को उस वक्त भारी विरोध प्रदर्शन देखने को मिला जब तहसील सोरांव बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं महामंत्री ने उपजिलाधिकारी सोरांव आई. ए.एस. मीणा भारती के तानाशाही रवैए अधिवक्ताओं के साथ बदसलूकी करने और अधिवक्ताओं पर फर्जी मुकदमा लिखवाने के धमकी देने जैसे कृत्यों से नाराज हो कर न्यायिक कार्य का विरोध करते हुए न्यायिक कार्य से विरत रहने हेतु अधिवक्ताओं ने उपजिलाधिकारी से वार्ता की तो उपजिलाधिकारी सोराव ने अपनी माननी रवैया अपनाते हुए न्यायिक प्रक्रिया शुरू कर दी जिसका अध्यक्ष राजेश मिश्रा एवं महामंत्री राम प्यारे गौतम के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने विरोध किया तो उपजिलाधिकारी ने पुलिस बल बुला कर न्यायालय की प्रक्रिया बिना वादी प्रतिवादी एवं बिना अधिवक्ताओं के न्यायिक प्रक्रिया

शुरू कर दी जिस अधिवक्ताओं ने उपजिलाधिकारी न्यायालय के बाहर नारेबाजी करते हुए धरना प्रदर्शन किया जिसके बाद उपजिलाधिकारी न्यायालय से उठ कर चली गई वहीं अन्य न्यायालयों की बात की जाए तो अधिवक्ताओं के विरोध के चलते अदालत की कार्यवाही नहीं चली उपजिलाधिकारी के इस रवैये से अधिवक्ताओं में काफी आक्रोश देखने को मिला वही बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और महामंत्री ने तहसील के अधिवक्ताओं के साथ बैठक कर उपजिलाधिकारी सोराव की शिकायत संबंधित ज्ञापन दिनांक 13 अगस्त को सुबह 10 बजे सौंपेंगे और उपजिलाधिकारी की ट्रांसफर की माँग करेंगे वहीं अधिवक्ताओं ने कहा कि जब तक उपजिलाधिकारी का ट्रांसफर नहीं होगा तब तक हड़ताल जारी रहेगी इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष केके मिश्रा,पूर्व महामंत्री राजीव ओझा,पूर्व महामंत्री अच्युतानंद मिश्र,निवर्तमान महामंत्री राजेश शुक्ला, कोषाध्यक्ष मोहम्मद अरमान,राहुल शुक्ला,दीपक कुमार,पूर्व महामंत्री रमेश मिश्रा सहित सैकड़ों की संख्या में अधिवक्ता गण मौजूद रहे।

संपादकीय

इलाज के बाद बची बीमारी: अस्पतालों के नीचे दफन होता भविष्य

कूड़े का कोई टुकड़ा सिर्फ कूड़ा नहीं, खासकर जब वह अस्पताल से निकला हो। उसे जमीन में दबाने से खतरा खत्म नहीं होता; वह मिट्टी और पानी के रास्ते इंसानी जिंदगी तक पहुंच सकता है। मेडिकल कचरे के गलत निपटान पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की सख्ती ने स्वास्थ्य व्यवस्था की अनदेखी उजागर की है। सत्रह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की 9,178 स्वास्थ्य सुविधाओं की जांच में केवल 5,715 नियमों के अनुरूप मिलीं। बाकी में भूजल सुरक्षा की अनदेखी, जरूरी अनुमति का अभाव, गलत जगह गड्ढे और जानवरों की पहुंच रोकने में लापरवाही मिली। जिस अस्पताल में बीमारी का इलाज होता है, वहीं संक्रमित कचरे का गलत निपटान इलाज और प्रदूषण की सीमा मिटा देता है। सवाल सिर्फ कचरे का नहीं, मिट्टी, पानी और उन परिवारों की जिंदगी का है, जो इसकी कीमत चुका सकते हैं।

धरती के गर्भ में दबा कचरा आंखों से ओझल हो सकता है, असर नहीं। संक्रमित कचरा भूजल तक न पहुंचे, इसलिए गहरे गड्ढे में दफन की प्रक्रिया के नियम कड़े हैं। जहां साझा जैव-चिकित्सा कचरा उपचार सुविधा नहीं है, वहां दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में तय शर्तों पर गहरे गड्ढे में दफन की अनुमति है। गड्ढे जलस्रोतों और आबादी से सुरक्षित दूरी पर हों, भूजल स्तर गड्ढे के निचले हिस्से से कम से कम छह मीटर नीचे हो, कचरे को मिट्टी और चूने से ढकना तथा जानवरों की पहुंच रोकना जरूरी है। लेकिन नियमों की ताकत उनके पालन में है। सुविधा के नाम पर छोटी-सी लापरवाही प्रकृति के लिए बड़े संकट बन सकती है।

जब आंकड़े जमीन पर उतरते हैं, वे सिर्फ संख्या नहीं रहते, किसी की जिंदगी का खतरा बन जाते हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की जांच में 477 सुविधाओं में भूजल सुरक्षा उल्लंघन मिले। 341 के पास जरूरी अनुमति नहीं थी और 316 में स्थल चयन तय मानकों के अनुरूप नहीं मिला। 253 जगह अभिलेख रखने में लापरवाही, 229 स्थानों पर जानवरों की पहुंच रोकने की व्यवस्था नहीं थी और 216 जगह कचरे को पर्याप्त मिट्टी से ढकने में कमी मिली। उत्तर प्रदेश की 111 और राजस्थान की 33 स्वास्थ्य सुविधाओं में पूर्ण गैर-अनुपालन दर्ज हुआ। इन आंकड़ों को गांव के नक्शे पर रखें तो तस्वीर बदल जाती है। कहीं वह कुआं हो सकता है, जहां से परिवार पानी भरता है; कहीं वह खेत, जहां अगली फसल बोई जानी है।

खतरा अस्पताल से निकलते ही खत्म नहीं होता, कई बार कचरे के साथ शुरू होता है। चिंता केवल नियम टूटने की नहीं, बल्कि नियम टूटने पर भी व्यवस्था चलते रहने की है। चिकित्सकीय कचरे का खतरा मात्रा से अधिक उसकी प्रकृति में है। संक्रमित सामग्री, शरीर के अवशेष और रक्त या जैविक द्रव से सनी वस्तुओं का सुरक्षित उपचार जरूरी है। ऐसे कचरे तक पशु पहुंचें या भूजल से संपर्क हो, तो संक्रमण अस्पताल से बाहर फैल सकता है। इसलिए, चिकित्सकीय कचरा केवल पर्यावरण मंत्रालय या प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का नहीं, सार्वजनिक स्वास्थ्य का प्रश्न है। अस्पताल की स्वच्छता शल्य कक्ष में नहीं, कचरे के अंतिम पड़ाव पर परखी जाती है।

दुर्गम पहाड़ और लंबी दूरियां कठिनाई हो सकती हैं, जिम्मेदारी से मुक्ति का कारण नहीं। पूर्वोत्तर राज्यों, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में दुर्गम भूभाग, कम आबादी और परिवहन कठिनाइयां साझा उपचार संयंत्रों की पहुंच सीमित करती हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दस्तावेजों में ऐसे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों का उल्लेख है, जहां साझा जैव-चिकित्सा कचरा उपचार सुविधाएं पूरी नहीं हैं और दूरस्थ स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय उपचार, जिसमें गहरे गड्ढे में दफन शामिल है, पर निर्भर हैं। कुछ क्षेत्रों में साझा उपचार संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए गए हैं। मगर समाधान दूरस्थ क्षेत्रों को नियमों से मुक्त करना नहीं, वहां नियमों के पालन की तकनीकी और आर्थिक क्षमता पहुंचाना है।

अब सवाल आदेश जारी होने का नहीं, आठ सप्ताह में बदलाव दिखने का है। एनजीटी ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को जैव-चिकित्सा कचरा निपटान के नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा है। पालन न होने पर पर्यावरण संरक्षण अधिनियम की धारा 5 के तहत कठोर निर्देश दिए जा सकते हैं और अगली सुनवाई 28 अक्टूबर को है। लेकिन अदालत की समयसीमा को नई रिपोर्ट बनाने की अवधि बना देना इस संकट के साथ अन्याय होगा।

अपनी जैविक घड़ी के अनुसार खाइए

डॉ. विजय गर्ग

दशकों से पोषण संबंधी सलाह मुख्य रूप से इस बात पर केंद्रित रही है कि हम क्या खाते हैं—अर्थात फलों, सब्जियों, साबुत अनाज और कम वसा वाले प्रोटीन से भरपूर संतुलित आहार लेने पर जोर दिया जाता रहा है। लेकिन अब वैज्ञानिक शोधों का बढ़ता हुआ प्रमाण यह बताता है कि हम कब खाते हैं, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि हम क्या खाते हैं। इस अवधारणा को क्रोनो-न्यूट्रिशन (ऊँड्डल्लङ्गल्ल्४३१३ङ्गल्ल) कहा जाता है। यह अध्ययन करता है कि भोजन का समय हमारे शरीर की आंतरिक जैविक घड़ी, चयापचय (मेटाबॉलिज्म), ऊर्जा स्तर और दीर्घकालिक स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करता है।

हमारा शरीर 24 घंटे के एक प्राकृतिक चक्र पर कार्य करता है, जिसे सर्केडियन रिदम (उ१ूं्िरंल फँ८ङ्के) कहा जाता है। यह हमारी नींद, हार्मोन निर्माण, पाचन, शरीर के तापमान तथा अनेक अन्य जैविक प्रक्रियाओं को नियंत्रित करता है। यदि हम अपनी इस जैविक घड़ी के अनुरूप भोजन करते हैं, तो स्वास्थ्य बेहतर रहता है। इसके विपरीत, यदि हम इससे विरुद्ध भोजन करते हैं, तो मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग तथा अन्य चयापचय संबंधी विकारों का खतरा बढ़ सकता है।

शरीर की जैविक घड़ी को समझना

सर्केडियन रिदम का नियंत्रण मस्तिष्क में स्थित एक मुख्य जैविक घड़ी द्वारा होता है, जो मुख्य रूप से प्रकाश और अंधकार से प्रभावित होती है। लेकिन केवल मस्तिष्क ही नहीं, बल्कि यकृत (लिवर), आमाशय (पेट), अग्न्याशय (पैंक्रियाज) और आँतों जैसे अंगों की भी अपनी-अपनी जैविक घड़ियाँ होती हैं, जो भोजन के समय से प्रभावित होती हैं।

जब हम नियमित समय पर भोजन करते हैं, तो ये सभी जैविक घड़ियाँ एक-दूसरे के साथ समन्वित रहती हैं। अनियमित भोजन, देर रात खाना या नाश्ता छोड़ देना इस समन्वय को बिगाड़ सकता है, जिससे शरीर के लिए पोषक तत्वों का प्रभावी उपयोग करना कठिन हो जाता है।

सुबह: शरीर को ऊर्जा देने का सर्वोत्तम समय

वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चला है कि सुबह के समय शरीर कार्बोहाइड्रेट और ग्लूकोज का उपयोग अधिक प्रभावी ढंग से करता है। दिन की शुरुआत में इंसुलिन की संवेदनशीलता अधिक होती है, जिससे कोशिकाएँ रक्त में मौजूद शर्करा को आसानी से ग्रहण कर लेती हैं।

पौष्टिक नाश्ते के लाभ–

एकाग्रता और स्मरण शक्ति में वृद्धि।
पूरे दिन ऊर्जा बनी रहती है।
बाद में अधिक भोजन करने की प्रवृत्ति कम होती है।
रक्त शर्करा का संतुलन बेहतर रहता है।

इसके विपरीत, नाश्ता छोड़ने से दिन में बाद में अधिक भूख लग सकती है और अस्वास्थ्यकर स्नैक्स खाने की आदत बढ़ सकती है।

दोपहर का भोजन: ऊर्जा का संतुलन

दोपहर का भोजन आदर्श रूप से दिन का सबसे बड़ा या प्रमुख भोजन होना चाहिए। इस समय तक शरीर का चयापचय सक्रिय रहता है, जिससे कैलोरी का उपयोग अधिक प्रभावी ढंग से होता है।

साबुत अनाज, सब्जियाँ, स्वस्थ वसा और प्रोटीन से भरपूर संतुलित दोपहर का भोजन ऊर्जा को स्थिर बनाए रखता है और दोपहर बाद होने वाली थकान को कम करता है।

देर रात भोजन करना क्यों हानिकारक हो सकता है?

क्रोनोन्यूट्रिशन के सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्षों में से एक यह है कि देर रात भारी भोजन करना स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

झारखंड - विधानसभा के घेराव पर अड़ा Gen Z आंदोलन

अशोक भाटिया

झारखंड की राजधानी रांची इस समय एक अभूर्ब युवा क्रांति की गवाह बन रही है, जिसे देश के इतिहास में जेन जेड आंदोलन के रूप में देखा जा रहा है । राज्य लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षाओं में कथित धांधली, पेपर लीक और भ्रष्टाचार के खिलाफ युवाओं का यह आक्रोश अब सड़कों पर लावा बनकर फूट पड़ा है । आज 10 अगस्त 2026 को आंदोलनकारियों द्वारा किया गया विधानसभा घेराव का ऐतिहासिक ऐलान इस जन-आक्रोश का सबसे निर्णायक मोड़ बन गया है । यह आंदोलन केवल नौकरियों की मांग भर नहीं है, बल्कि यह पूरी व्यवस्था की साख और युवाओं के अस्तित्व की लड़ाई बन चुका है ।

झारखंड के इस युवा आंदोलन की नींव रातों-रात नहीं रखी गई है। राज्य के युवाओं में पिछले कई वर्षों से सरकारी भर्ती प्रक्रियाओं को लेकर गहरा असंतोष पनप रहा था। इसकी शुरूआत तब हुई जब 23 जुलाई 2026 को राज्य भर से हजारों परीक्षार्थी और नौकरी के इच्छुक उम्मीदवार अपने बिस्तर, किताबों और सालों पुराने एडमिट कार्डों से भरे प्लास्टिक फोल्डर्स लेकर रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में जुटने शुरू हुए। इन युवाओं के चेहरों पर केवल निराशा नहीं, बल्कि व्यवस्था के प्रति एक गहरा आक्रोश था। उम्मीदवारों का आरोप था कि हाल ही में आयोजित 14वीं खढरउ संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा और खररउ-उॠछ परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं बरती गईं, प्रश्नपत्र लीक किए गए और मेधावी छात्रों के भविष्य को चंद पैसों के लिए बेच दिया गया। छात्रों ने साफ कहा कि जिन परीक्षाओं ने उनके जीवन के अनमोल 10 साल छीन लिए, वे अब उनके साथ और खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेंगे। यहीं से जन्म हुआ खढरउ-खररउ सुधार मंच का, जिसने इस बिखरे हुए असंतोष को एक संगठित सत्याग्रह का रूप दे दिया।

इस आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता इसका डिजिटल और स्वायत्त स्वरूप है । पारंपरिक राजनीतिक आंदोलनों के विपरीत, इसे किसी बड़े राजनीतिक दल या पुराने छात्र संगठन ने हवा नहीं दी। यह देश की पहली ऐसी बड़ी युवा क्रांति है जिसे विशुद्ध रूप से ॠील्ल` (1990 के दशक के उत्तरार्ध और 2010 के दशक की शुरूआत के बीच जन्मे युवा) द्वारा संचालित किया जा रहा है ? सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, विशेषकर इंस्टाग्राम रील्स, एक्स और व्हाट्सएप ग्रुप्स, इस आंदोलन के मुख्य नियंत्रण कक्ष बन गए। एक रील या एक पोस्ट के जरिए कुछ ही घंटों में हजारों छात्र रांची की सड़कों पर इकट्ठा होने लगे। छात्रों ने आंदोलन को किसी भी राजनीतिक लाभ से बचाने के लिए एक सख्त आचार संहिता लागू की है। मंच से किसी भी राजनेता को सीधे माइलेज लेने की अनुमति नहीं दी गई। युवाओं का साफ नारा है कि यह आंदोलन हमारा है और हमारा भविष्य किसी राजनीतिक सौदेबाजी के लिए नहीं है। आंदोलन में कोई एक आका नहीं है; यद्यपि आंदोलन अत्यधिक खंडित भी दिखाई देता है जहाँ अलग-अलग गुटों की मांगें थोड़ी भिन्न हैं, लेकिन उनका मूल लक्ष्य एक ही है—पारदर्शिता और न्याय।

शांतिपूर्ण सत्याग्रह के रूप में शुरू हुआ यह आंदोलन 2 अगस्त 2026 को उस समय और गंभीर हो गया, जब छात्र नेता और झारखंड लोकतांत्रिक क्रांति मोर्चा से जुड़े देवेंद्र नाथ महतो ने जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी ? उनके साथ कई अन्य युवा भी अन्न-जल त्याग कर बैठ गए। जैसे-जैसे दिन बीतते गए, अनशनकारी छात्रों की तबीयत बिगड़ने लगी। खुद देवेंद्र नाथ महतो ने बेहद कमजोर आवाज में अस्पताल या धरना स्थल से प्रशासन को चेताया कि सरकार छात्रों के प्रति अत्यंत असंवेदनशील रवैया अपना रही है । उन्होंने स्पष्ट किया कि वे अपनी जान की बाजी लगा रहे हैं ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक ऐसा सिस्टम बनाया जा सके जहां पेपर लीक करना नामुमकिन हो जाए। इस अनशन ने राज्य के कोने-कोने में बैठे युवाओं के खून में उबाल ला दिया।

जैसे ही आंदोलन दूसरे सप्ताह में प्रवेश कर गया, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार पर दबाव बेहद बढ़ गया। सरकार ने चौतरफा घिरने के बाद बैकफुट पर आते हुए मंत्रियों की एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया और छात्रों को वार्ता के लिए आमंत्रित किया । 7 और 8 अगस्त 2026 को रांची के सर्किट हाउस और स्टेट गेस्ट हाउस में सरकार और छात्रों के 8 से 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडलों के बीच कई घंटों तक मैराथन बैठकें हुईं । सरकार ने अपनी ओर से दावा किया कि उसने छात्रों की लगभग 98% मांगें मान ली हैं। इसके तहत 14वीं खढरउ पीटी परीक्षा को रद्द करने, त्वरित अदालतों के गठन और कड़ी कानूनी कार्रवाई पर सहमति जताई गई। यहाँ तक कि जेपीएससी के चेयरमैन नीरज सिन्हा के इस्तीफे और तीन मौजूदा सदस्यों (अजिता भट्टाचार्य, अनिमा हांसदा और जमाल अहमद) को राज्य अपराध जांच विभाग द्वारा नोटिस जारी कर तलब भी किया गया।

इस पूरे गतिरोध के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने युवाओं से शांति की अपील करते हुए सरकार का रुख साफ किया। उन्होंने अपने बयान में कहा, हमारी सरकार राज्य के युवाओं के भविष्य को लेकर पूरी तरह संवेदनशील है। जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में यदि कोई विसंगति पाई गई है, तो उस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए परीक्षा रद्द करने और जांच के आदेश दिए जा चुके हैं। हम एक कड़ा कानून लेकर आए हैं जिसके तहत पेपर लीक और धांधली करने वालों को उम्रकैद और करोड़ों रुपये के जुमार्ने की सजा होगी। छात्र राजनीतिक दलों के बहकावे में न आएं, सरकार बातचीत के जरिए हर जायज मांग को पूरा करने के लिए तैयार है।

इसके बावजूद वार्ता पूरी तरह बेनतीजा रही, क्योंकि सरकार पूरे मामले की जांच सीआईडी और प्रवर्तन निदेशालय से कराने पर अड़ी है, जबकि छात्र संगठन किसी भी राज्य स्तरीय एजेंसी पर भरोसा करने को तैयार नहीं हैं। वे पिछले 7 वर्षों में हुई सभी बड़ी परीक्षाओं की जांच सीधे केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से कराने की लिखित गारंटी और ठोस नीतिगत सुधारों की मांग पर अड़े हुए हैं। सरकार ने आंदोलन को शांत करने के लिए एक विशेष ईमेल आईडी भी जारी की ताकि छात्र अपने सुझाव दे सकें, लेकिन युवाओं का भरोसा इस कदर टूट चुका है कि वे अब डिजिटल आश्वासनों के बहकावे में आने को तैयार नहीं हैं।

दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी और विपक्ष के नेता अमर कुमार बाउरी ने इस आंदोलन को युवाओं के अस्तित्व की लड़ाई बताते हुए सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने विधानसभा के बाहर कड़ा रुख अपनाते हुए बयान दिया, हेमंत सोरेन की सरकार ने झारखंड के लाखों युवाओं के भविष्य को पूरी तरह अंधकार में धकेल दिया है। पिछले 7 सालों से हर परीक्षा में सिर्फ भ्रष्टाचार और पेपर लीक का खेल चल रहा है। जब छात्र अपने हक के लिए शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे हैं, तो सरकार लाठियों और निषेधाज्ञा के दम पर उनकी आवाज दबाना चाहती है।

युवा राज्य की जांच एजेंसियों पर भरोसा खो चुके हैं, इसलिए जब तक इस पूरे महाघोटाले की सीबीआई जांच की सिफारिश नहीं की जाती, तब तक भाजपा सड़क से सदन तक युवाओं के साथ खड़ी रहेगी।

जब सरकार के साथ कई दौर की बातचीत बेनतीजा रही, तो खढरउ-खररउ सुधार मंच ने आज 10 अगस्त 2026 को विधानसभा घेराव और तिरंगा मार्च का अंतिम शंखनाद कर दिया ? चूंकि इस समय झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र चल रहा है, इसलिए इस आंदोलन ने राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मचा दिया है। आज सुबह से ही राज्य के सभी 24 जिलों से हजारों की तादाद में छात्र बसों, ट्रेनों और निजी वाहनों से रांची पहुंचने लगे हैं। जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से शुरू होकर यह जनसैलाब विधानसभा भवन की ओर बढ़ रहा है। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए रांची जिला प्रशासन पूरी तरह से वॉर मोड में है। पूरे विधानसभा परिसर और उसके 750 मीटर के दायरे में धारा 163 लागू कर दी गई है ताकि भीड़ को प्रतिबंधित किया जा सके। शहर के चप्पे-चप्पे पर भारी पुलिस बल, रैपिड एक्शन फोर्स और वाटर कैनन तैनात किए गए हैं। सभी उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को हाई अलर्ट पर रखा गया है ताकि कानून-व्यवस्था की स्थिति नियंत्रण से बाहर न हो।

झारखंड का यह ॠील्ल` आंदोलन केवल एक तात्कालिक परीक्षा विवाद नहीं है, बल्कि यह देश के जर्जर हो चुके प्रशासनिक और शैक्षणिक ढांचे के खिलाफ एक गहरी चेतावनी है ? जब देश के शीर्ष राजनेता और मुख्य विपक्षी दल भी यह स्वीकार करने लगें कि देश की शिक्षा और भर्ती प्रणाली पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि बीमारी कितनी गहरी है।

झूठा बेस्टसेलर टैग

डॉ. प्रियंका सौरभ

छपे हुए पन्ने एक किताब से बढ़कर कुछ नहीं होते। ये लेखक के विचार, अनुभव, भावनाएँ, कल्पना और वर्षों की रचनात्मक मेहनत का सार होते हैं। एक अच्छी किताब का पाठक के साथ एक ऐसा रिश्ता होता है जो क्षणिक प्रसिद्धि या व्यावसायिक सफलता से कहीं अधिक महत्वपूर्ण होता है। लेकिन आज के प्रकाशन उद्योग के युग में, बेस्टसेलर शब्द एक प्रचार का माध्यम बनकर रह गया है। किसी किताब की वास्तविक बिक्री के बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध होती है, फिर भी उसे उसके आवरण, विज्ञापनों, सोशल मीडिया पेजों या लेखकों के माध्यम से बेस्टसेलर के रूप में प्रचारित किया जा सकता है। ऐसे में एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है: क्या केवल बेस्टसेलर का लेबल किसी किताब को बेस्टसेलर बना सकता है?

आदर्श रूप से, बेस्टसेलर का तात्पर्य वास्तविक बिक्री और पाठकों की निरंतर मांग से होना चाहिए। जब ??कोई पुस्तक विश्वसनीय और पारदर्शी तरीके से बिकती है, और उसकी बड़ी संख्या में प्रतियां बिकती हैं, तो उसे बेस्टसेलर माना जा सकता है। हालांकि, यदि बिक्री या रैंकिंग के आंकड़े, प्लेटफॉर्म या मापन अवधि प्रदान नहीं की जाती है, तो दावा संदिग्ध हो जाता है। यह स्वाभाविक है कि पाठक पूछेगा, किस सूची के अनुसार बेस्टसेलर? कितनी प्रतियां बिकीं? किस अवधि के दौरान? किस प्लेटफॉर्म पर पुस्तक सबसे लोकप्रिय रही? क्या आंकड़ों का कोई स्वतंत्र सत्यापन है? यदि आपको इन सवालों के जवाब नहीं पता हैं, तो बेस्टसेलर एक वास्तविक उपलब्धि के बजाय एक मार्केटिंग का जुमला बनकर रह जाएगा।

सोशल मीडिया के आगमन के साथ इस प्रकार का प्रचार बहुत सरल हो गया है। आकर्षक पोस्टर बनाकर, पुस्तक विमोचन के लिए उपयुक्त तस्वीरें लेकर, वीडियो बनाकर, स्कूलों से समर्थन प्राप्त करके, समीक्षाएँ और बधाई संदेश प्राप्त करके व्यापक प्रभाव डाला जा सकता है। कोई पुस्तक वेब पर कहीं भी मौजूद हो सकती है और इस प्रकार बहुत सफल प्रतीत हो सकती है। हालाँकि, दृश्यता और पाठक संख्या के बीच कोई स्पष्ट संबंध नहीं है। आपके सौ लाइक्स में जितने पाठक हैं, जरूरी नहीं कि उतने ही पाठक हों। किसी के पास किसी की पुस्तक पकड़े हुए तस्वीर होने का मतलब यह नहीं है कि उन्होंने वास्तव में वह पुस्तक पढ़ी है। इसी प्रकार, बहुत सारी टिप्पणियाँ होने का मतलब यह नहीं है कि पाठक सामग्री में गहराई से रुचि रखते हैं।

आप किताब तो खरीद सकते हैं, लेकिन सच्चे पाठक को कभी खरीद नहीं सकते।

कई बार किसी अभियान, संस्थागत आयोजन, नेटवर्क या संगठित प्रचार के दौरान किताबों की सैकड़ों या हजारों प्रतियां बिक जाती हैं। लेकिन इसमें बिक्री की कमी नहीं है। लेखकों और प्रकाशकों दोनों को अपनी किताबों से मुनाफा कमाने और उनका प्रचार करने का अधिकार है। समस्या तब शुरू होती है जब बिक्री को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है और ऐसा लोकप्रियता का भ्रम पैदा करने के लिए किया जाता है। ईमानदार प्रचार और भ्रामक प्रचार में बहुत बड़ा अंतर नहीं होता, लेकिन इसका पाठकों के भरोसे पर गहरा असर पड़ सकता है।

इससे एक सच्चा पाठक वर्ग बनता है। सच्चा पाठक किताब खरीदता है, उसे बहुत ध्यान से पढ़ता है, उसकी विषयवस्तु पर विचार करता है, उस पर चर्चा करता है और दूसरों को भी पढ़ने की सलाह देता है। ऐसा पाठक जो ऐसी टिप्पणी पढ़ता है, वह सैकड़ों बनावटी प्रचार टिप्पणियों से कहीं अधिक मूल्यवान होता है। एक लेखक के लिए इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता कि वर्षों बाद कोई कहे, मैंने आपकी किताब पढ़ी और इसने किसी चीज को देखने का मेरा नजरिया बदल दिया। इस तरह की प्रतिक्रिया विज्ञापन से नहीं मिलती। यह केवल गुणवत्तापूर्ण लेखन के माध्यम से ही संभव है।

समस्या केवल किताबों की बिक्री तक ही सीमित नहीं है। अतिशय प्रशंसा कला के अन्य क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं है: पुस्तक समीक्षाओं में भी यही हाल है। आधुनिक युग में लगभग हर नई किताब को शानदार, ऐतिहासिक, अविस्मरणीय या प्रतिभाशाली कृति कहा जाता है। जब हर किताब को उत्कृष्ट कृति कहा जाता है, तो उसे दूसरी किताबों से अलग करना मुश्किल हो जाता है। एक अच्छी पुस्तक समीक्षा पुस्तक के सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करती है, लेकिन उसकी कमियों को भी उजागर करती है। रचनात्मक आलोचना देना किसी लेखक का अपमान नहीं है। साहित्य का विकास साहित्यिक विकास का एक महत्वपूर्ण पहलू है। यदि लोगों को सच्ची आलोचना मिले, तो वे एक लेखक के रूप में खुद को बेहतर बना सकते हैं, और उन्हें यह तय करने का बेहतर आधार मिलता है कि उन्हें क्या पढ़ना चाहिए।

पाठक को विषय, लेखन की

मोहम्मद रफी : आवाज नहीं, भारतीय संवेदनाओं का अमर स्वर

सत्य भूषण शर्मा

भारतीय सिनेमा के इतिहास में कुछ आवाजें ऐसी हैं, जिन्हें केवल सुना नहीं जाता, बल्कि महसूस किया जाता है। मोहम्मद रफी उन्हीं विरल स्वरों में से एक थे। उनकी आवाज में प्रेम की कोमलता थी, विरह की टीस थी, भक्ति की आस्था थी, देशभक्ति का जोश था और जीवन के संघर्षों के बीच मुस्कुराने की प्रेरणा भी। यही कारण है कि रफी साहब के गीत किसी एक दौर, एक अभिनेता या एक पीढ़ी तक सीमित नहीं रहे। वे समय की सीमाएँ लांघकर आज भी करोड़ों दिलों में बसे हुए हैं।

आवाज में था भावनाओं का विराट संसार

रफी साहब की सबसे बड़ी विशेषता उनकी बहुमुखी प्रतिभा थी। वे केवल अच्छे गायक नहीं थे, बल्कि गीत के भाव को आत्मसात कर उसे अपनी आवाज में जीवंत करने वाले कलाकार थे। एक तरफ वे ओ दुनिया के रखवाले जैसे गीत में दर्द की गहराइयों को स्वर देते हैं, तो दूसरी ओर सर जो तेरा चकराए में हास्य और चंचलता का अद्भुत रंग भर देते हैं। चौदहवीं का चाँद हो में रोमांस की नजाकत है तो मन तड़पत हरि दर्शन को आज में भक्ति की गहनता। देशभक्ति के गीतों में उनकी आवाज श्रोताओं के भीतर ऊर्जा भर देती थी।

यही रफी की असाधारण क्षमता थी—गीत कोई भी हो, भाव कोई भी हो, पात्र कोई भी हो; रफी की आवाज उस भाव का चेहरा बन जाती थी।

हर अभिनेता की अपनी आवाज

हिंदी सिनेमा में पार्श्वगायन का अर्थ केवल गीत गाना नहीं, बल्कि पर्दे पर दिखाई देने वाले पात्र को आवाज देना भी है। रफी साहब इस कला के अप्रतिम उस्ताद थे।

देव आनंद की चंचलता, दिलीप कुमार की गंभीरता, राजेंद्र कुमार का रोमांटिक अंदाज, शम्मी कपूर की उछलती ऊर्जा और धर्मेंद्र का पुरुषार्थ—हर व्यक्तित्व के लिए रफी की आवाज का अलग रंग दिखाई देता है।

उनकी आवाज में इतनी विविधता थी कि श्रोता को कभी यह महसूस नहीं होता था कि अलग-अलग अभिनेताओं के पीछे एक ही गायक की आवाज है।

संगीतकारों के प्रिय गायक

रफी साहब ने भारतीय फिल्म संगीत के अनेक महान संगीतकारों के साथ काम किया। नौशाद, शंकर-जयकिशन, सचिन देव बर्मन, ओ.पी. नैय्यर, मदन मोहन, रवि, लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल और अनेक संगीतकारों की धुनों को उन्होंने अपनी आवाज से नई

नैनीताल का रोप-वे, अंग्रेजों ने 139 वर्ष पहले ही बना ली थी योजना

प्रयाग पाण्डे

अंग्रेजों के प्रकृति प्रेम एवं औपनिवेशिक शासकों की तात्कालिक आवश्यकताओं के चलते आज से करीब 183 साल पहले 1843 में कुछ यूरोपीय नागरिकों की स्वतंत्र पहल से नैनीताल नामक नगर की बसावट शुरू हुई। नैनीताल को एक आदर्श हिल स्टेशन के रूप में आबाद और विकसित करने के पीछे अंग्रेजों का प्रकृति प्रेम के साथ लालच भी था और जरूरत भी। इसमें कोई दो राय नहीं कि नैनीताल के प्रति अंग्रेजों के मन में एक विशेष आत्मीयता का भाव था। आत्मीयता के इस रिश्ते को उन्होंने नैनीताल के साथ ईमानदारी से निभाया भी।

नैनीताल को अंग्रेजों ने एक निश्चित जनसंख्या के लिए बसाया। इसी के मद्देनजर यहाँ आधारभूत सुविधाओं का ढाँचा खड़ा किया गया था। 1890 के आसपास जब नैनीताल की ग्रीष्मकालीन आबादी तकरीबन दस हजार के आसपास थी,तभी से यहाँ की भार वहन क्षमता का आकलन किए जाने की बात होने लगी थी। तत्कालीन अनेक ब्रिटिश अधिकारियों का कहना था कि नैनीताल अति मनुष्यों से भर गया है। लिहाजा यहाँ आबादी का और अधिक बोझ डाला जाना अनुचित है। अंग्रेज नैनीताल के भंगुर पर्यावरण से बखूबी वाकिफ थे। उनकी हरेक योजनाएं दीर्घकालिक नजरिए से बनती थीं। अंग्रेजों ने आज से 139 साल पहले नैनीताल को रोप -वे से जोड़ने के बारे में सोच लिया था। इसके लिए बाकायदा रोप -वे की योजना को स्वीकृति भी प्रदान कर दी गई थी।

प्रारंभिक काल में नैनीताल आने-जाने के लिए सबसे बड़ी समस्या रास्तों की थी। प्रारंभिक दौर में बरेली से बाजपुर होते हुए कालाढूंगी पहुँचा जाता था, वहाँ से निहाल नदी के किनारे- किनारे खुपार्ताल होते हुए नैनीताल। शुरूआत में यह पूरी यात्रा पैदल ही तय करनी पड़ती थी। 1847 में निहाल पुल से खुपार्ताल होते हुए नैनीताल तक अश्व मार्ग बना दिया गया था। फिर पुरुषों के लिए घोड़े और महिलाओं एवं बच्चों के लिए डांडी से यात्रा करना संभव हो गया था। 1884 में काठगोदाम तक रेल पहुँचने के बाद 1885 में काठगोदाम से ब्रेवरी तक सड़क बनाई गई। इसके बाद ब्रेवरी तक तांगे आने लगे थे। ब्रेवरी से नैनीताल आने के लिए घोड़े, डांडी और पालकी या फिर पैदल एकमात्र यातायात के साधन थे। ब्रिटिश साम्राज्य में भारत के सर्वशक्तिमान आका समझे जाने वाले अविभाजित भारत के वॉयसराय और नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज के लेफ्टिनेंट गवर्नर से लेकर ब्रिटिश सेना और शासन के सभी आला अफसरान घोड़े की सवारी कर ही नैनीताल आते-जाते थे। 1893 में नैनीताल में तांगे आने लगे थे। तांगों द्वारा यात्रा की सुविधा उपलब्ध हो जाने के बावजूद अभी भी नैनीताल में आवागमन बहुत आसान नहीं था। स्थानीय मौसमियत का आवागमन पर सीधा असर पड़ता था।बरसात और ठंड के दिनों में नैनीताल की आवाजाही बेहद जोखिम भरी, श्रमसाध्य एवं तकलीफदेह होती थी। बरसात में भू -धंसाव की घटनाएं बढ़ जाती थीं, जिससे आवागमन प्रभावित होता था। अगर मौसम अनुकूल भी हो तो भी नैनीताल आने -जाने में बहुत समय लगता था। आवागमन की इस समस्या से निजात पाने के लिए मई,1887 में मिस्टर हन्ना नामक एक अंग्रेज ने यातायात और सामान लाने, ले जाने के लिए नैनीताल से कालाढूंगी की ओर तीन हजार फीट लंबे रोप-वे के निर्माण का सुझाव दिया। ब्रिटिश प्रशासन ने इस प्रस्ताव पर अपनी सैद्धांतिक सहमति दे दी।

इस कार्य को संपादित करने के लिए 1888 के प्रारंभिक दिनों में नैनीताल रोप -वे कंपनी लिमिटेड बन गई। अगस्त,1888 में मिस्टर हन्ना ने रोप-वे के लिए 9900 रुपये की शुरूआती योजना बना ली थी। मिस्टर हन्ना की रोप-वे की इस योजना का नैनीताल नगर पालिका की सार्वजनिक निर्माण समिति ने व्यवहारिक पक्षों का अध्ययन किया। तब इस समिति में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता भी सदस्य होते थे। योजना के सभी पक्षों की जाँच-परख के बाद नगर पालिका की सार्वजनिक निर्माण समिति ने इस योजना को स्वीकृति प्रदान कर दी। 8 अक्टूबर, 1888 को नगर पालिका कमेटी की बैठक में भी इस योजना को स्वीकृति दे दी गई। अंतिम स्वीकृति के लिए योजना को कुमाऊँ के वरिष्ठ सहायक कमिश्नर को भेज दिया गया।

बीएलडब्ल्यू परिसर और आसपास के क्षेत्रों में 45.03 करोड़ से बनेंगे ढके हुए नाले, नगर निगम से समझौता

कंदवा गेट, पहाड़ी गेट और बीएलडब्ल्यू परिसर में आरसीसी स्टॉर्म वाटर ड्रेन का होगा निर्माण

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित बनारस रेल इंजन कारखाना (बीएलडब्ल्यू) परिसर और उसके आसपास के विस्तारित नगर निगम क्षेत्रों में वर्षों से चली आ रही जलभराव की गंभीर समस्या का अब स्थायी समाधान की उम्मीद है। बीएलडब्ल्यू प्रशासन और नगर निगम वाराणसी के बीच जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए मसौदा सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर की प्रक्रिया पूरी हो गई है। महापौर अशोक कुमार तिवारी और नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल की पहल पर तैयार इस योजना से क्षेत्र की लगभग 1.50 लाख (डेढ़ लाख) आबादी को सीधा लाभ मिलेगा और मानसून के दौरान होने वाली दुश्वारियों से मुक्ति मिलेगी। मंगलवार को प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के मंत्री हंसराज विश्वकर्मा की उपस्थिति में समझौते पत्र पर बीएलडब्ल्यू के महाप्रबंधक आशुतोष पंत ने भी हस्ताक्षर किए ।

–कुल 45.03 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा आधुनिक ड्रेनेज नेटवर्क

नगर निगम के जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, जल निकासी नेटवर्क को दो हिस्सों में बांटकर काम पूरा किया जाएगा। बीएलडब्ल्यू की सीमा (भूमि) के भीतर आने वाले वर्षा जल निकासी नाले के निर्माण के लिए 24.00 करोड़ रुपये की राशि सक्षम अधिकारी द्वारा स्वीकृत की जा चुकी है। वहीं, बीएलडब्ल्यू परिसर की सीमा के बाहर बनने वाले नाला नेटवर्क पर 21.03 करोड़ रुपये का खर्च नगर निगम वाराणसी द्वारा वहन किया जाएगा। इस प्रकार कुल 45.03 करोड़ रुपये की लागत से आरसीसी |स्टॉर्म वाटर ड्रेन विथ कवर (ढके हुए पक्के नाले) का निर्माण कराया जाएगा।

–कंदवा और पहाड़ी गेट के पास नहीं रुकेगा पानी

स्थलीय निरीक्षण में पाया गया था कि वर्तमान में उपलब्ध नालों की क्षमता बेहद कम है तथा कई स्थानों पर नाले अवरुद्ध एवं क्षतिग्रस्त हैं। इसके कारण कंदवा गेट और पहाड़ी गेट के आसपास मानसून के समय व्यापक जलभराव की स्थिति बन जाती है। इससे स्थानीय निवासियों, राहगीरों, जनस्वास्थ्य और यातायात पर प्रतिकूल असर पड़ता था। अब कंदवा गेट और पहाड़ी गेट के पास 'नाला-1' एवं 'नाला -2' नाम से नए आरसीसी स्टॉर्म वाटर ड्रेन का निर्माण कराया जाएगा, जिससे वर्षा जल का त्वरित और सुव्यवस्थित निकास संभव हो सकेगा।

–बीएलडब्ल्यू परिसर की सड़कों व ढांचों को मिलेगी सुरक्षा

बीएलडब्ल्यू परिसर की बाउंड्री वॉल के साथ-साथ परिसर के आंतरिक भागों में भी जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने से आवासीय एवं कार्यालय परिसर जलमग्न हो जाते थे। इससे रेल कर्मचारियों, उनके परिवारों और आमजन को भी आवागमन में भारी परेशानी होती थी। इससे बुनियादी ढांचे (सड़क व नागरिक अवसंरचना) को नुकसान पहुँचता था। नए प्रोजेक्ट के तहत बीएलडब्ल्यू बाउंड्री वॉल और आंतरिक क्षेत्रों में भी ढके हुए ढके नालों का निर्माण कर इस समस्या का समाधान होगा।

आज के युवाओं की सोच में राष्ट्रहित सर्वोपरि है : किशन चौधरी

एमबीबीएस और नर्सिंग की छात्राओं ने दिखाई अपनी कलात्मक सोच और रचनात्मकतारंगोली के माध्यम से छात्राओं ने दिया राष्ट्रप्रेम, एकता और देशभक्ति का संदेश

मथुरा।
'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत मंगलवार शाम मथुरा स्थित केएम विश्वविद्यालय में 'हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा' विषय पर एक भव्य तिरंगा रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की एमबीबीएस और नर्सिंग विभाग की छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह और देशभक्ति के माहौल में बढ़-चढ़कर भाग लिया।
प्रतियोगिता के दौरान छात्राओं ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा, स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानियों, भारत माता, ऑपरेशन सिंदूर तथा देश की एकता व अखंडता को दशार्ती हुई अत्यंत आकर्षक एवं मनमोहक रंगोलियां बनाईं। एमबीबीएस बैच 2022 की छात्राएं माधुरी, समीता, रीतिका, गौरी, नीतिका, उत्कृषा व रेनूका तथा नर्सिंग विभाग की प्रीति, दामनी, काजल, आशा एवं खुश्बू ने अपनी कला के माध्यम से राष्ट्रप्रेम के संदेश को जीवंत कर दिया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी, प्रति कुलपति व डीन डॉ. शरद अग्रवाल, रजिस्ट्रार डॉ. पूरन सिंह तथा महेश मित्तल ने छात्राओं द्वारा निर्मित रंगोलियों का अवलोकन किया और उनकी सोच व कला की जमकर प्रशंसा की।
इस अवसर पर कुलाधिपति किशन चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर घर तिरंगा अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं और प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक सुदृढ़ करना है।
केएम विश्वविद्यालय की छात्राओं ने रंगोली के माध्यम से देशप्रेम, ऑपरेशन सिंदूर और भारत माता के प्रति अपनी भावनाओं को जिस सुंदरता से उकेरा है, वह अत्यंत सराहनीय है। हमें गर्व है कि आज के युवाओं की सोच में राष्ट्रहित सर्वोपरि है। जिस देश की युवा पीढ़ी में राष्ट्र के प्रति ऐसा समर्पण और भावना हो, उस देश की प्रगति को कोई रोक नहीं सकता।

स्वतंत्रता दिवस पर दिल्ली के प्रमुख स्टेशनों पर पार्सल यातायात रहेगा बंद

12 से 15 अगस्त तक नई दिल्ली समेत पांच प्रमुख स्टेशनों पर पार्सल की बुकिंग और आवागमन पर रोक

प्रयागराज।
स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर 12 से 15 अगस्त 2026 तक पार्सल यातायात पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस दौरान नई दिल्ली, दिल्ली जंक्शन (पुरानी दिल्ली), हजरत निजामुद्दीन, आनंद विहार टर्मिनल और दिल्ली सराय रोहिल्ला स्टेशनों पर किसी भी प्रकार के पार्सल की बुकिंग, आवागमन और रखरखाव नहीं किया जाएगा।
रेलवे के अनुसार यह प्रतिबंध पार्सल की बुकिंग और आवागमन के साथ-साथ लीज्ड एसएलआर, वीपी और डिमांड वीपी से संबंधित गतिविधियों पर भी लागू रहेगा। प्रतिबंध की अवधि में संबंधित स्टेशनों के माल गोदाम और प्लेटफॉर्म को पार्सल के पैकेट और पैकिंग सामग्री से मुक्त रखा जाएगा।
दिल्ली क्षेत्र से आने-जाने वाले पार्सल पर भी रोक रहेगी। दिल्ली से शुरू होने वाली ट्रेनों तथा अन्य मंडलों या क्षेत्रों से चलकर दिल्ली क्षेत्र में रुकने वाली ट्रेनों में भी पार्सल की लोडिंग और अनलोडिंग नहीं की जाएगी।

यात्रियों के व्यक्तिगत सामान पर रोक नहीं

रेलवे ने स्पष्ट किया है कि यात्रियों को अपने व्यक्तिगत सामान को यात्री डिब्बों में निर्धारित नियमों और सुरक्षा मानकों के अनुसार ले जाने की अनुमति रहेगी। प्रतिबंध सामान्य यात्रियों के निजी सामान पर लागू नहीं होगा।
रेलवे ने पार्सल ग्राहकों और यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे 12 से 15 अगस्त के बीच दिल्ली क्षेत्र के इन प्रमुख स्टेशनों पर पार्सल भेजने या वहां से पार्सल मंगाने की योजना न बनाएं।

वाराणसी : ककरमत्ता की ऐतिहासिक पोखरी का होगा कायाकल्प

पोखरी को नया जीवन देने के लिए कई आधुनिक सुविधाएं जोड़ने का लक्ष्य

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश में वाराणसी जिले के बीएलडब्ल्यू रोड स्थित ककरमत्ता की ऐतिहासिक पोखरी जल्द ही काशी में एक पर्यटन केंद्र और आकर्षक पिकनिक स्पॉट के रूप में नजर आएगी। मंगलवार को महापौर अशोक कुमार तिवारी और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने पोखरी का स्थलीय निरीक्षण कर चल रहे पुनरुद्धार कार्यों का जायजा लिया।
नगर निगम ने हाल ही में 38 वर्षों से चले आ रहे विवाद को समाप्त कराते हुए करीब 1.5 बीघा (लगभग 100 करोड़ रुपये मूल्य) में फैली इस बेशकीमती सरकारी संपत्ति को अवैध कब्जे से मुक्त कराया है। अब इसे एक सुंदर और हरे-भरे स्थल के रूप में विकसित करने की योजना है। ककरमत्ता की इस ऐतिहासिक पोखरी को कुछ तथाकथित लोगों द्वारा कूड़ा-कचरा डालकर पाट दिया गया था।
पोखरी को उसके मूल स्वरूप में लौटाने के लिए नगर निगम ने भारी अमला तैनात किया है। वर्तमान में मौके पर जेसीबी, पोकलैंड , डंपर व हाइवा मशीनों की मदद से पोखरी की सफाई और गहरीकरण का काम युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान अतुल पांडे सहित नगर निगम के कई अन्य अधिकारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

गंगा नदी में मिला पत्नी का शव, पति की तलाश जारी

बलिया।
उत्तर प्रदेश में जनपद बलिया के दुबहड़ थाना क्षेत्र में मंगलवार को गंगा नदी में एक महिला का शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बाद में महिला की पहचान इंदू देवी (52) पत्नी ओमप्रकाश दूबे के रूप में हुई। दोनों दम्पति गंगा में जल लेने के लिए गए थे।
पुलिस के अनुसार, मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे सूचना मिली कि बयासी पुल के पास गंगा नदी में एक महिला का शव बहकर किनारे की तरफ आया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नियमानुसार कब्जे में लिया। शिनाख्त के बाद परिजनों को सूचना दी गई।
परिजनों ने पुलिस को बताया कि इंदू देवी अपने पति ओमप्रकाश दूबे के साथ सोमवार शाम करीब सात बजे गंगा नदी से जल लेने के लिए घर से निकली थीं। इसके बाद दोनों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। इसी बीच थाना कोतवाली के विचलाघाट चौकी क्षेत्र अंतर्गत शिवरामपुर घाट पर ओमप्रकाश दूबे की मोटरसाइकिल बरामद हुई। इसके बाद पुलिस और एनडीआरएफ की टीम ने गंगा नदी में ओमप्रकाश दूबे की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

मथुरा : निकली भव्य तिरंगा यात्रा, उमड़ा राष्ट्रप्रेम का सैलाब

विशाल तिरंगा यात्रा का जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया शुभारंभ

मथुरा।
भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत मथुरा में मंगलवार देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। मंडी समिति मथुरा से पाली खेड़ा तक एक अत्यंत भव्य एवं विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में उमड़े जनसैलाब ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा थामकर देशभक्ति के गगनभेदी नारों से पूरे वातावरण को राष्ट्रभक्ति के रंग में सराबोर कर दिया।
इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की तथा यात्रा का शुभारंभ करते हुए उन्होंने कहा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चलाए जा रहा हर घर तिरंगा अभियान देश के प्रत्येक नागरिक को एकता और अखंडता के सूत्र में बांधने का पावन कार्य कर रहा है। उन्होंने उपस्थित सभी कार्यकताओं एवं आम जनमानस से राष्ट्रध्वज का सदैव सर्वोच्च सम्मान करने और देश की अखंडता के प्रति संकल्पित रहने की अपील की। इस दौरान जिला महानगर अध्यक्ष राजू यादव सहित भाजपा कार्यकताओं ने मुख्य अतिथि जिपंअ का पटुका पहनाकर जोरदार स्वागत किया। तिरंगा यात्रा में भाजपा कार्यकताओं, स्थानीय नागरिकों, युवाओं एवं बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। यात्रा मार्ग पर जगह-जगह क्षेत्रवासियों द्वारा पुष्पवर्षा कर तिरंगा यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। देशभक्ति के गीतों और भारत माता की जय के उद्घोष से पाली खेड़ा तक का पूरा मार्ग राष्ट्रभक्ति की ऊर्जा से सराबोर नजर आया।

शिवकुमार तिवारी हत्याकांड: परिवार को न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा: पूर्व विधायक

गोरखपुर।
सिकरीगंज क्षेत्र के ग्रामसभा अहिरौली में दिवंगत शिवकुमार तिवारी के परिजनों से मिलने मंगलवार को चिल्लूपार के पूर्व विधायक एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव विनय शंकर तिवारी पहुंचे। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और शिवकुमार तिवारी की नृशंस हत्या पर गहरा दुःख एवं आक्रोश व्यक्त किया।
विनय शंकर तिवारी ने परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी ली और कहा कि इस मुश्किल घड़ी में पीड़ित परिवार स्वयं को अकेला न समझे। समाज और क्षेत्र के लोग उनके साथ खड़े हैं और न्याय की लड़ाई में परिवार को हर संभव सहयोग दिया जाएगा।
उन्होंने कहा कि शिवकुमार तिवारी की जिस निर्ममता से हत्या की गई, वह केवल एक परिवार पर हमला नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ा अत्यंत गंभीर मामला है। इस घटना से पूरे क्षेत्र में पीड़ा और आक्रोश है।

सोने चांदी के हिंडोले में विराजमान होकर राजाधिराज ने दिए अपने भक्तों को दर्शन

मथुरा।
पुष्टिमार्ग संप्रदाय के प्रसिद्ध मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश में सावन मास के पावन अवसर पर धार्मिक अनुष्ठानों की श्रृंखला में भव्य आयोजन किए जा रहे हैं। मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी (एडवोकेट) ने जानकारी दी कि मंदिर के सभी कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी श्री श्री 108 डॉ. वागीश कुमार जी महाराज (कांकरोली नरेश, तृतीय पीठ) के निर्देशानुसार किया जाता है।

मुविवि के बीएड और बीएड विशेष शिक्षा प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित

प्रयागराज।
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (मुविवि), प्रयागराज की सत्र 2026-27 की बीएड एवं बीएड विशेष शिक्षा प्रवेश परीक्षा का परिणाम मंगलवार को घोषित कर दिया गया। विश्वविद्यालय ने परिणाम अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। अभ्यर्थी अपना परिणाम ऑनलाइन देख सकते हैं।
प्रवेश परीक्षा 7 अगस्त 2026 को प्रदेश के 10 जिलों में बनाए गए 13 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित की गई थी। विश्वविद्यालय ने निर्धारित समय से पहले ही परीक्षा परिणाम जारी कर दिया।
परीक्षा नियंत्रक डॉ. जीके द्विवेदी ने बताया कि बीएड प्रवेश परीक्षा में मुजफ्फरनगर की मेघा सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, बीएड विशेष शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में मुजफ्फरनगर के अतुल कुमार मेरिट सूची में प्रथम रहे।

10 जिलों में हुई थी परीक्षा

अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रवेश परीक्षा प्रदेश के आगरा, अयोध्या, बरेली, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, वाराणसी और प्रयागराज में आयोजित की गई थी। दोनों पाठ्यक्रमों के परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिए गए हैं।
परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए जल्द ही काउंसलिंग की तिथि निर्धारित की जाएगी। इसकी सूचना सफल अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से दी जाएगी।

समय से पहले जारी हुआ परिणाम

विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. प्रभात चन्द्र मिश्र ने कहा, विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए निर्धारित समय से पहले ही बीएड और बीएड विशेष शिक्षा प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया है। परिणाम वेबसाइट पर उपलब्ध है। अब प्रवेश प्रक्रिया को शीघ्र आगे बढ़ाते हुए काउंसलिंग की तिथि घोषित की जाएगी, ताकि सफल अभ्यर्थियों को प्रवेश के लिए अनावश्यक प्रतीक्षा न करना पड़े।

झांसी : 40 उपनिरीक्षक समेत 83 पुलिसकर्मियों के तबादले

झांसी।
उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ करने तथा पुलिस व्यवस्था में बेहतर समन्वय के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झांसी ने 40 उपनिरीक्षकों सहित कुल 83 पुलिसकर्मियों के स्थानांतरण किए हैं। सभी पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से उनके नाम के सामने अंकित नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश 11 अगस्त को जारी किया गया।
स्थानांतरित उपनिरीक्षकों में विनय कुमार, राहुल सिंह, मोहित राणा, सोनू श्रीवास्तव, भगत सिंह, किरण रावत, नितीश कुमार, रवि कुमार शर्मा, अंकुर कुमार, वीरपाल सिंह, दिनेश कुमार, मदन पाल, सत्यभान, अभिषेक सिंह, सर्वेश सिंह, विष्णु, विवेकानन्द यादव, बृजेश कुमार, अनुज कुमार, राज नारायण, कामता प्रसाद, अर्पित त्यागी, स्वाति शुक्ला, गोविन्द सिंह, रविकान्त गौरस्वामी, शिवपाल, प्रदीप कुमार, रामवीर सिंह, राजेश कुमार, नवाब सिंह, भरत सिंह, धर्म सिंह, विवेक कुमार, अनुज कुमार, रणविजय, नितीश कुमार, दिव्या सिंह, शिवानी तंवर, राजेश प्रताप और सरोज कुमार शामिल हैं।
इनमें विनय कुमार को चौकी प्रभारी मसीहागंज, थाना सीपरी बाजार, राहुल सिंह को चौकी प्रभारी मिर्नवा, थाना कोतवाली शहर, मोहित राणा को चौकी प्रभारी नेनागढ़, थाना प्रेमनगर तथा सोनू श्रीवास्तव को चौकी प्रभारी बीएचडब्ल्यूएल, थाना बबीना भेजा गया है। भगत सिंह को पुलिस लाइन तथा किरण रावत को साइबर थाना में तैनाती दी गई है। इसी प्रकार नितीश कुमार को चौकी प्रभारी धमन, थाना बरुआसागर और रवि कुमार शर्मा को थाना सदर बाजार भेजा गया है।

औरैया में 1800 छात्र-छात्राओं ने किया योगाभ्यास, स्वस्थ जीवनशैली के लिए सीखी योग विधियां

औरैया।
उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में तिलक इंटर कॉलेज में बुधवार को योग वैलनेस सेंटर की गतिविधियों के अंतर्गत सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में करीब 1800 छात्र-छात्राओं के साथ विद्यालय परिवार के सदस्यों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की।
कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वस्थ शरीर के महत्व से अवगत कराते हुए उनके सर्वांगीण विकास के लिए योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करना रहा।
योग प्रशिक्षक योगेंद्र कुमार मिश्र ने छात्र-छात्राओं को लंबी आयु तक सहज रूप से स्वस्थ रहने तथा शरीर के लचीलेपन को बनाए रखने के विभिन्न व्यवहारिक उपायों की जानकारी दी।
योग प्रशिक्षक ने विद्यार्थियों को उत्कटासन और पादहस्तासन के अभ्यास की विधि समझाई। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने सामूहिक रूप से पादहस्तासन का अभ्यास कराया।
योगेंद्र कुमार मिश्र ने बताया कि नियमित योगाभ्यास शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ शारीरिक लचीलेपन, संतुलन और कार्यक्षमता को बेहतर बनाने में सहायक है।

जेन-जी को रचनात्मक दिशा में जोड़ेगा 'रंग दे बसंती अभियान'

प्रयागराज।
साहित्य की राजधानी प्रयागराज में काव्य की धारा के माध्यम से युवाओं से जुड़ने और उनके मन की बात समझने की पहल हुई है। प्रदेश में युवाओं को रचनात्मक अभिव्यक्ति का मंच देने और माफिया राज व भय की संस्कृति फैलाने वालों के खिलाफ सकारात्मक संदेश देने के उद्देश्य से यहां 'रंग दे बसंती' अभियान की शुरूआत हुई है जो प्रदेश के विभिन्न शहरों में 14 अगस्त तक चलेगा।

अपराध और माफिया संस्कृति के खिलाफ काव्यात्मक विरोध के अभियान की शुरूआत

दिल्ली के जंतर मंतर पर जेन जी की सहभागिता के बाद देश में इस युवा पीढ़ी के मन को गहराइयों से समझने की कोशिश समाज के अलग-अलग हिस्सों में हो रही है। सियासी पार्टियां एक तरफ जहां जेन जी से जुड़ने के लिए उनसे संवाद से जुड़े आयोजन कर रही हैं तो वहीं काव्य के माध्यम से भी इस विषय पर जेन जी से जुड़ने की पहल हुई ।
प्रयागराज की हिंदुस्तानी एकेडमी में "रंग दे बसंती अभियान" की मंगलवार से हुई शुरूआत भी उसी कड़ी का हिस्सा है। कार्यक्रम के संयोजक विश्वदीप शुक्ला का कहना है प्रयागराज ने साहित्य और चिंतन के माध्यम से हमेशा देश को रास्ता दिखाया है। वर्तमान में जेन जी की नई पीढ़ी से रचनात्मक दिशा में जुड़ने के लिए "रंग दे बसंती अभियान" की शुरूआत हुई है। इसमें जेन जी कवियों को आमंत्रित कर उन्हें अपनी काव्यात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम मन की बात कहने जा मंच प्रदान किया गया है। देश भर के अलग- अलग हिस्सों से आए वीर रस और ओज रस के जेन जी के मन को पढ़ने वाले 8 कवियों ने इसमें अपनी अभिव्यक्ति का मंच प्रदान किया। निराला और महादेवी के साथ अपनी पहचान रखने वाले शहर की पहचान एक दशक पहले जिस तरह माफिया संस्कृति से होने लगी थी उसी अपराध और माफिया संस्कृति के खिलाफ यह काव्यात्मक विरोध का अभियान है।

कवियों ने अपराधी और माफियाओं की जमकर ली साहित्यिक क्लास

इस आयोजन में ओज और वीर रस की कविताओं के साथ अपनी पहचान रहने वाले युवा जेन जी कवियों को मंच प्रदान किया गया। दिल्ली यूनिवर्सिटी के संक्षेप बरनवाल, मध्यप्रदेश के अभिषेक अवस्थी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की आकांक्षा बुन्देला, बिहार के मोरारी मण्डल और बलिया के बजरंग नाथ, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अभिजीत मिश्रा और डॉ मृत्यंजय परमार ने अपनी कविताएं पढ़ी । कार्यक्रम की अध्यक्षता गीतकार डॉ. विनम्र सेन सिंह ने की।
मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक आचार्य शांतनु जी महराज ने भी अपने विचार नई पीढ़ी के सामने रखे । डॉ विनम्र सेन का कहना है कि इस अभियान से 11 से 14 अगस्त तक प्रदेश के विभिन्न शहरों में कविता, कला, संगीत और संवाद के माध्यम से युवा रचनात्मकता के साथ अपनी बात रखेंगे।

सोने का भाव 1600 चढ़ा, चांदी में भी 3132 रुपए की तेजी

सोना 1,54,699 रुपए प्र ति 10 ग्राम, चांदी 2,41,999 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली ।

वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में मंगलवार को सोने-चांदी की कीमतों में जोरदार तेजी दर्ज की गई। बाजार में जारी उतार-चढ़ाव और अनिश्चितता के माहौल के बीच निवेशकों ने सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने में अपनी दिलचस्पी बढ़ाई है। इसमें खासकर चीन के संस्थागत निवेशक और वहां के केंद्रीय बैंक की सक्रिय खरीदारी ने इन कीमती धातुओं के भावों को ऊपर चढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। इस मांग के चलते सोने के वायदा भाव में मजबूत उछाल देखने को मिला, वहीं चांदी ने भी अपनी चमक बरकरार रखी। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट 1,600 रुपये की तेजी के साथ 1,54,699 रुपये पर खुला, जो पिछले बंद भाव 1,53,099 रुपये से काफी अधिक था। दिन के कारोबार में इस कॉन्ट्रैक्ट ने 1,55,437 रुपये का उच्च स्तर छुआ। इसी तरह चांदी का सितंबर कॉन्ट्रैक्ट भी 3,132 रुपये की बढ़त के साथ 2,39,999 रुपये पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,36,867 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह 2,39,154 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था और दिन के दौरान 2,41,999 रुपये के भाव पर दिन का उच्चतम स्तर छू लिया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमेक्स पर सोना 54.40 डॉलर की तेजी के साथ 4,474.10 डॉलर प्रति औंस पर और चांदी 0.69 डॉलर की तेजी के साथ 65.96 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। मंगलवार को ग्लोबल मार्केट कॉमेक्स पर सोने का भाव लगभग 4,450 डॉलर प्रति औंस और चांदी का भाव 66 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रहा था। यह तेजी मुख्य रूप से बाजार में अनिश्चितता से बचाव के लिए हो रही खरीदारी से प्रेरित थी। चीन में संस्थागत निवेशकों ने सोने में अपनी हिस्सेदारी काफी बढ़ा दी है, जबकि चीन के केंद्रीय बैंक ने भी अपनी सोने की खरीदारी तेज कर दी है। इस वैश्विक रुझान का असर घरेलू बाजारों पर भी साफ दिखा। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर भी सोने और चांदी के वायदा भाव में मजबूत तेजी दर्ज की गई। खबर लिखे जाने तक, सोने का वायदा भाव 1,55,100 रुपये के करीब, जबकि चांदी का भाव 2,39,150 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा था।

अदाणी को अमेरिकी अदालत से राहत, शेयरों में शानदार उछाल

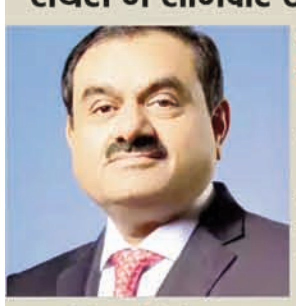

सिक्योरिटीज फ्रॉड आरोपों से बरी हुए गौतम और सागर अदाणी

नई दिल्ली। अमेरिकी अदालत से बड़ी राहत मिलने के बाद अदाणी ग्रुप के शेयरों में मंगलवार को शानदार तेजी दर्ज की गई। ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी को अमेरिकी सिक्योरिटीज फ्रॉड मामले में आरोपों से बरी किए जाने के बाद समूह की कंपनियों के शेयरों में 3.5 फीसदी तक की उछाल देखने को मिली। ब्रुकलिन स्थित अमेरिकी जिला अदालत के जज निकोलस गारौफिस ने देर रात जारी आदेश में गौतम और सागर अदाणी के खिलाफ लगाए गए साजिश, सिक्योरिटीज फ्रॉड और वायर फ्रॉड के आरोपों को खारिज कर दिया। इस फैसले को अदाणी ग्रुप की अमेरिका में चल रही कानूनी मुश्किलों का अंत माना जा रहा है। इस खबर का असर मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार पर तुरंत दिखा।

जहां एक ओर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण पूरे बाजार में बिकवाली का दबाव था, वहीं अदाणी ग्रुप के सभी प्रमुख शेयर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। अदाणी ग्रीन इनर्जी में सर्वाधिक 3.5 फीसदी की तेजी आई, जबकि अदाणी इंटरप्राइजेज 2.6 फीसदी बढ़कर 3,080 रुपये पर और अदाणी पोर्ट करीब 1.5 फीसदी चढ़े।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 388, निफ्टी 112 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। वैश्विक भू-राजनीतिक चिंताओं से भी बाजार गिरा है। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते की उम्मीदें कमजोर पड़ने से भी निवेशकों में सतर्कता का माहौल देखा गया। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 388.19 अंक की गिरावट के साथ ही 78,154.25 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 112.10 अंक नीचे आकर 24,471.70 पर बंद हुआ। आज बाजार में बिकवाली हावी रही। एफएमसीजी और रियल्टी स्टॉक्स में सबसे अधिक बिकवाली का दबाव रहा। सूचकांकों में निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी रियल्टी में सबसे अधिक गिरावट रही। वहीं निफ्टी मेटल , निफ्टी इन्फ्रा , निफ्टी कमोडिटीज, , निफ्टी प्राइवेट बैंक में भी गिरावट रही जबकि

निफ्टी फार्मा, निफ्टी आईटी , निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी ऑयल एंड गैस तेजी के साथ बंद हुए। लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी मिलाजुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स गिरावट के साथ ही 63,843.85 पर और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 43.20 अंक तेजी के साथ 19,857.15 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में इन्फोसिस, टाइटन, एचसीएल टेक और टीसीएस के शेयर उछले जबकि अल्ट्राटेक सीमेंट, एक्सिस बैंक, इंडिगो, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, आईटीसी, एमएंडएम, टाटा स्टील, एचयूएल, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, एलएंडटी आदि गिरावट पर बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स और निफ्टी में शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। सुबह शुरुआत के बाद निफ्टी 107.15 अंक गिरकर 24,475.55 के स्तर पर आ गया जबकि सेंसेक्स 383.79 अंक की गिरावट के साथ 78,158.65 पर पहुंच गया।

ब्लिंकिट स्टोर का लाइसेंस निलंबित, रिलायंस से सड़ी मिठाई जब्त

ब्लिं किट स्टोर के निरीक्षण में सब्जियों-फलों के स्टोरेज में कॉकरोच मिले

मुंबई ।

महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने राज्य में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों के उल्लंघन पर बड़ी कार्रवाई की है। मुंबई के मलाड स्थित क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म` ब्लिं किट के एक डार्क स्टोर का लाइसेंस गंभीर गंदगी और अनियमितताओं के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। वहीं बुलढाणा में` रिलायंस` रिटेल के एक आउटलेट से फफूंद लगी और कीड़े वाली काजू कतली के 54 बॉक्स जब्त किए गए हैं। मलाड वेस्ट के` ब्लिं किट स्टोर के निरीक्षण में सब्जियों-फलों के स्टोरेज में भारी संख्या में कॉकरोच मिले। कोल्ड रूम में एक्सपायर्ड व टैम्पर्ड पैकेजिंग वाले उत्पाद और खराब साफ-सफाई पाई गई। कीड़े-चूहों की रोकथाम और कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता संबंधी नियमों की अनदेखी भी सामने आई। इन गंभीर खामियों के चलते स्टोर का लाइसेंस निलंबित कर दिया। बुलढाणा में उपभोक्ता शिकायत के बाद एफडीए टीम ने एआरडी` सिनेमा स्थित`` रिलायंस रिटेल आउटलेट पर कार्रवाई की।

कच्चे तेल में तेजी, डब्ल्यूटीआई 82.18 डॉलर तो ब्रेंट कूड 87.76 डॉलर

नई दिल्ली ।

वैश्विक कच्चे तेल बाजार में उठापटक जारी है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण तेल की कीमतों में लगातार तेजी देखी जा रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 82.18 डॉलर प्रति बैरल और ब्रेंट क्रूड 87.76 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है, जिसमें मामूली बढ़त दर्ज की गई है। ईरान द्वारा अमेरिका से कुछ कड़ी शर्तें रखे जाने से इस अहम समुद्री मार्ग से आपूर्ति शुरू होने में देरी हो रही है, जिसका असर अंतरराष्ट्रीय बाजारों पर पड़ रहा है। ईरान और ओमान के बीच नई शिपिंग लेन के समझौते को अंतिम चरण में बताया जा रहा है। हालांकि, ईरान चाहता है कि अमेरिका उसकी कुछ मांगों को पूरा करे, जिनमें मुआवजा, प्रतिबंधों को खत्म करना और सैन्य धमकियों को बंद करना शामिल है। इन्हीं मांगों के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने की स्थिति साफ नहीं हो पा रही है। इससे पहले सोमवार को तेल की कीमतों में 1 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई थी। यह समुद्री मार्ग दुनिया की लगभग पांचवें हिस्से की तेल आपूर्ति का रास्ता है। पिछले हफ्ते समझौते की उम्मीदों के चलते कीमतों में 7 फीसदी से अधिक की गिरावट आई थी, लेकिन अब अनिश्चितता बढ़ने से फिर उछाल दर्ज की जा रही है। नेचुरल गैस, हीटिंग ऑयल और गैसोलीन जैसी अन्य कमोडिटीज़ में हल्की गिरावट देखी गई है, लेकिन कच्चे तेल की कीमतें होर्मुज गतिरोध के चलते दबाव में हैं।

एचडीएफसी बैंक ने घटाई ब्याज दर, बैंक आफ बड़ौदा ने बढ़ाई

कर्जदारों को तत्काल फायदा या नुकसान नहीं होगा

नई दिल्ली ।

देश के दो प्रमुख बैंकों एचडीएफसी बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स बेस्ड लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) में बदलाव किया है. एचडीएफसी बैंक ने एमसीएलआर में 5 बेसिस पॉइंट तक की कटौती की है, जबकि बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी 3 महीने की एमसीएलआर में 10 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी की है. ये नई दरें अगस्त के पहले या दूसरे सप्ताह से प्रभावी हुई हैं, पर इसका हर कर्जदार पर तत्काल असर नहीं होगा! एचडीएफसी बैंक की नई दरें 7 अगस्त से लागू हैं, जिसके बाद अलग-अलग अवधि के लिए एमसीएलआर अब 8 फीसदी से 8.65 फीसदी के बीच है. बैंक ने अपनी ज्यादातर एमसीएलआर में 0.05 प्रतिशत की कमी की है. हालांकि, इसका फायदा उन्हीं ग्राहकों को मिलेगा जिनका लोन एमसीएलआर से जुड़ा है और जिनकी ब्याज दर की अगली रीसेट डेट अभी बाकी है. लोन की अंतिम ब्याज दर एमसीएलआर और बैंक के स्प्रेड को मिलाकर तय होती है।

इसके विपरीत बैंक ऑफ बड़ौदा ने 3 महीने की एमसीएलआर को 10 बेसिस पॉइंट बढ़ाकर 8.30 फीसदी कर दिया है, जो 12 अगस्त से प्रभावी है. इससे एमसीएलआर से जुड़े कुछ ग्राहकों के लिए कर्ज महंगा हो सकता है। हालांकि, यह समझना जरूरी है कि अक्टूबर 2019 के बाद दिए गए अधिकांश फ्लोटिंग रेट रिटेल लोन बाहरी बेंचमार्क, जैसे रेपो रेट, से जुड़े होते हैं, न कि एमसीएलआर से ऐसे ग्राहकों पर इन एमसीएलआर बदलावों का सीधा असर नहीं होता और उन्हें अपनी ब्याज दर के लिए रेपो रेट के बदलावों पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि उनकी दरें आमतौर पर हर तीन महीने में रीसेट होती हैं।

मारुति ग्रैंड विटारा की घरेलू बाजार में कुल 4,01,007 यूनिट्स की बिक्रि दर्ज

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी की लोकप्रिय एसयूवी ग्रैंड विटारा ने अपनी बिक्री के 4 लाख यूनिट्स के आंकड़े को छू लिया है। अपने लॉन्च होने के बाद से लेकर जून 2026 तक इस एसयूवी ने घरेलू बाजार में कुल 4,01,007 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की है, जबकि 62,500 यूनिट्स का निर्यात भी किया गया है।

यह उपलब्धि ग्रैंड विटारा ने 45 महीनों में हासिल की है, जिसे मारुति के प्रीमियम नेक्सा शोरूम के माध्यम से बेचा जाता है। ग्राहक औसतन हर महीने 8,911 यूनिट्स और हर दिन लगभग 293 लोग इस एसयूवी को खरीद रहे हैं। हालांकि, 4 लाख के आंकड़े तक पहुंचने में इसे दूसरी पीढ़ी की हुंडई क्रेटा के मुकाबले 21 महीने ज्यादा लगे, जिसने यह मुकाम 25 महीनों में हासिल कर लिया था। फिर भी, ग्रैंड विटारा ने मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में कई रिकॉर्ड बनाए हैं; यह 1 लाख यूनिट (12 महीने में), 2 लाख यूनिट (22 महीने में, पहली पीढ़ी की क्रेटा को पीछे छोड़ते हुए) और 3 लाख यूनिट (कुल 10 महीने में 2 से 3 लाख तक) तक पहुंचने वाली सबसे तेज एसयूवी रही है। ग्रैंड विटारा अपने हाइब्रिड इंजन के लिए जानी जाती है, जो एक फुल टैंक पर 1200 किमी तक की रेंज प्रदान करती है और 27.97 किमी/लीटर तक का प्रभावशाली माइलेज देती है। इसमें 1.5 लीटर का के15 माइल्ड-हाइब्रिड और स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड पावरट्रेन विकल्प मौजूद है।

वित्त वर्ष 2025 ग्रैंड विटारा के लिए सबसे अच्छा साल रहा, जिसमें 1,23,946 यूनिट्स की बिक्री हुई। यह मारुति की नेक्सा डीलरशिप के जरिए बेची जाने वाली दूसरी सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी है, जो मारुति फ्रोंक्स के बाद है। सुविधाओं की बात करें तो, इसमें 360 डिग्री कैमरा, पैनोरमिक सनरूफ, वायरलेस चार्जिंग, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स शामिल हैं।

रुपया गिरावट के साथ 92.78 पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपय 4 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.34 पर बंद हुअ। आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 95.38 पर खुला। वहीं विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में शुरुआती गिरावट से रुपये पर दबाव आया। हालांकि, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की पूंजी प्रवाह और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हस्तक्षेप से रुपये को बल मिला, जिससे इसमें और अधिक गिरावट नहीं आई। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 13 पैसे की गिरावट के साथ 95.30 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 फीसदी की गिरावट के साथ 99.77 पर रहा।

लॉन्च से पहले थर्ड जनरेशन की हुंडई क्रेटा के कई रेंडर आए सामने

नई दिल्ली ।

अपने लॉन्च से पहले थर्ड जनरेशन की हुंडई क्रेटा एसयूवी के कई रेंडर सामने आए हैं, जिसमें इसका 360 डिग्री लुक देखा जा सकता है। ये डिजाइन सीधे तौर पर एक साइंस-फाई फिल्म से प्रेरित लगता है, जो इसे मौजूदा मॉडल से पूरी तरह अलग पहचान देता है और इसे बाजार में एक अनोखी जगह देगा।

इस नए और भविष्यवादी डिजाइन की प्रेरणा नवंबर 2025 में ऑटोमोबिलिटी एलए (लॉस एंजिल्स ऑटो शो) में पेश किए गए क्रेटर कॉन्सेप्ट से मिली है। वर्तमान मॉडल की घुमावदार बॉडी पैनलिंग की जगह अब तेज और अधिक कोणीय सतहों का इस्तेमाल किया गया है, जो एसयूवी को एक मजबूत और आधुनिक स्वरूप प्रदान करता है। कार का फ्रंट फेसिया अब अधिक सीधा और थोड़ा लंबा नजर आता है, जिससे इसकी सुरक्षा में भी सुधार होगा। इसमें पिक्सेल स्टाइल एलईडीडीआरएलएस और गहराई से लगाए गए हेडलैम्प्स दिखते हैं, जो आंशिक रूप से बंद ग्रिल के साथ एकरूपता बनाए रखते हैं। नई क्रेटा में चार पार्किंग सेंसर के साथ एक प्रमुख ब्लैक-आउट बम्पर है जिसमें हॉरिजोंटल और वर्टिकल ट्रिम इंसर्ट्स दिए गए हैं। साइड प्रोफाइल में व्हील आर्च पर विशिष्ट कैरेक्ट लाइनें और मौजूदा मॉडल की अंडाकार इकाइयों की तुलना में अधिक चौकोर ओआरवीएम्स का उपयोग किया गया है। पीछे की तरफ, इसमें हॉरिजोंटली रखे गए स्पेसिफिक पिक्सेल शैली के टेल लैंप हैं, जो एक एलईडीडी लाइट स्ट्रिप और चमकदार ब्लैक ट्रिम के साथ जुड़े हुए दिखते हैं, जिससे एक कनेक्टेड प्रोफाइल बनती है।

अन्य बाहरी फीचर्स में नए एलॉय व्हील, बॉडी कलर के डोर हैंडल, ब्लैक बी पिलर्स, ढलान वाली छत, छत की रेलिंग और एक शार्क फिन एंटीना शामिल हैं। इंटीरियर में एडवांस्ड कनेक्टिविटी फीचर्स (जैसे ब्लूलिंक), लेवल 2+ एडीडीएएस (एडवांस्ड ड्राइवर-असिस्टेंस सिस्टम) और एक अपडेटेड हाइब्रिड इंजन मिलने की उम्मीद है। मालूम हो कि हुंडई अपनी अगली पीढ़ी की क्रेटा एसयूवी पर काम कर रही है, जिसे कोडनेम एसएक्स3 दिया गया है। इसके साल के आखिर या 2027 की शुरुआत में पेश किए जाने की उम्मीद है।

यूपीआई रहेगा शुल्क-मुक्त, बड़े कारोबारी पर ही लगेगा एमडीआर- वित्त मंत्री

राज्यसभा में सांसदों को दिया आश्वासन, छोटे व्यापारियों को भी एमडीआर से मिलेगी छूट

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में सांसदों को आश्वस्त किया कि ग्राहकों के लिए यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से डिजिटल भुगतान हमेशा शुल्क-मुक्त रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में कोई भी मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) केवल एक निश्चित सीमा से ऊपर के सीमित कारोबारी लेनदेन पर ही लागू होगा। यह जानकारी उन्होंने कराधान एवं अन्य कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 पर हुई चर्चा के दौरान दी। यह विधेयक राज्यसभा से पारित हो चुका है और अब इसे कानून बनने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार है। इसमें भुगतान एवं निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 में संशोधन का प्रस्ताव है ताकि एमडीआर नामक एक लेनदेन शुल्क का प्रावधान किया जा सके। हालांकि, वित्त मंत्री ने साफ किया कि इसका उद्देश्य यूपीआई उपयोगकर्ताओं पर कोई कर या लेनदेन शुल्क लगाना नहीं है।

विधेयक पारित होने के बाद एक समिति इस बात पर विचार करेगी कि एमडीआर लागू किया जाना चाहिए या नहीं और यदि हां, तो उसका दायरा एवं ढांचा क्या होगा। सीतारमण ने कहा कि फिलहाल किसी एमडीआर ढांचे को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि छोटे व्यापारियों, जिनमें चाय विक्रेता, सब्जी विक्रेता, स्ट्रीट वेंडर, फूल विक्रेता, ऑटो चालक और किराना स्टोर शामिल हैं, पर एमडीआर लागू नहीं किया जाएगा।

ट्रंप मीडिया ने कई कारोबार समेटे, विवादित फास्ट फीड से आय पर जोर

राष्ट्रपति की पोस्ट के फास्ट फीड से सालाना करोड़ों कमाने का लक्ष्य, नैतिक सवाल उठे

न्यूयॉर्क ।

वित्तीय संकट और शेयरों में भारी गिरावट का सामना कर रही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मीडिया कंपनी ने अपने कारोबारी मॉडल में बड़ा बदलाव किया है। ट्रुथ सोशल की मूल कंपनी, ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप (टीएमटीजी) ने ऑनलाइन सट्टेबाजी, वित्तीय सेवाओं और परमाणु ऊर्जा जैसे कई असफल कारोबारी विस्तार को रद्द कर दिया है। एक अरब डॉलर से अधिक का घाटा झेल चुकी कंपनी अब अपने मूल मीडिया कारोबार पर फिर से ध्यान केंद्रित कर रही है। टीएमटीजी ने अपने शेयरों में गिरावट और भारी नुकसान के बाद कई नए कारोबारी विस्तार को समेटने का फैसला किया है। इसके बजाय कंपनी अब एक नई रणनीति पर काम कर रही है, जिसके तहत उसने ट्रुथ एपीआई नामक एक सशुल्क सेवा शुरू की है। यह सेवा ग्राहकों को राष्ट्रपति ट्रंप की पोस्ट तक सामान्य उपयोगकर्ताओं की तुलना में अधिक तेजी से पहुंच प्रदान करती है। कंपनी के सीईओ केविन मैकगर्न के अनुसार, इस सेवा से जुड़ने वाली हाई-स्पीड ट्रेडिंग कंपनियां प्रति माह 60,000 डॉलर से 100,000 डॉलर तक का भुगतान कर रही हैं। सेवा शुरू होने के एक सप्ताह के भीतर 10 कंपनियां इससे जुड़ चुकी हैं, जिससे कंपनी को सालाना 72 लाख डॉलर से 1.2 करोड़ डॉलर तक की अतिरिक्त आय होने का अनुमान है। यह आय कंपनी के गहरे वित्तीय घाटे को भरने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। हालांकि, विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी और शासन पर नजर रखने वाले समूहों ने इस फास्ट फीड सेवा को लेकर गंभीर नैतिक सवाल उठाए हैं। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप की सरकारी जिम्मेदारियों और उनके कारोबारी हितों के बीच संभावित टकराव पर चिंता व्यक्त की है। कंपनी ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि अन्य सोशल मीडिया कंपनियां भी इसी तरह की सेवाएं प्रदान करती हैं, जबकि व्हाइट हाउस ने हितों के टकराव से इनकार किया है।

पावर ग्रिड में दिलचस्प बदलाव- बीमा कंपनियों ने बढ़ाई हिस्सेदारी, एआईआई ने घटाई

छह महीने में घरेलू बीमा कंपनियों ने 2.4 फीसदी हिस्सेदारी बढ़ाई, विदेशी निवेशकों ने कम की

नई दिल्ली ।

पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (पीजीसीआईएल) में बड़े संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी में एक दिलचस्प बदलाव देखने को मिला है।

जून 2026 तिमाही के आंकड़ों के अनुसार जहां घरेलू बीमा कंपनियों ने कंपनी में अपनी हिस्सेदारी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाई है, वहीं विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने अपनी होल्डिंग में मामूली कमी की है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब देश के बिजली पारेषण नेटवर्क की यह प्रमुख कंपनी अगले कुछ सालों के लिए एक विशाल ऑर्डर बुक के साथ मजबूत स्थिति में है, जिसका कुल मूल्य 1.76 लाख करोड़ रुपये है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की रिपोर्ट बताती है कि दिसंबर 2025 से जून 2026 तक प्रमोटर (सरकार) की हिस्सेदारी 51.3 फीसदी पर स्थिर रही। हालांकि, संस्थागत निवेशकों के बीच हिस्सेदारी का पैटर्न बदल गया। बीमा कंपनियों ने इस अवधि में अपनी हिस्सेदारी 4.5 फीसदी से बढ़ाकर 6.9 फीसदी कर ली, जो केवल छह महीनों में 2.4 प्रतिशत अंकों की उल्लेखनीय वृद्धि है। इसके विपरीत, विदेशी संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी दिसंबर 2025 के 24.8 फीसदी से घटकर जून 2026 तक 24.3 फीसदी रह गई। म्युचुअल फंड और अन्य घरेलू संस्थानों की हिस्सेदारी भी थोड़ी घटकर 13.6 फीसदी पर आ गई। रिपोर्ट में हालांकि इन बदलावों के पीछे कोई विशिष्ट कारण नहीं बताया गया है, और इससे सीधे तौर पर यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि बीमा कंपनियों का भरोसा बढ़ा है या विदेशी निवेशक दूर हो रहे हैं। कंपनी की सबसे बड़ी ताकत उसकी भविष्य की विकास क्षमता और मौजूदा मजबूत ऑर्डर बुक है।

पावर ग्रिड के पास मौजूदा समय में लगभग 1.76 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट हाथ में हैं, जो पिछले एक साल में 18 फीसदी की वृद्धि दर्शाते हैं। इसमें 1.46 लाख करोड़ रुपये के प्रतिस्पर्धी बोली वाले प्रोजेक्ट और 25,000 करोड़ रुपये के अन्य प्रमुख प्रोजेक्ट शामिल हैं। भविष्य में लगभग 1.2 लाख करोड़ रुपये के नए प्रोजेक्ट पाइपलाइन में हैं, जिनमें से 73,900 करोड़ रुपये के लिए बोली प्रक्रिया जारी है।

संक्षिप्त समाचार

25 हजार+ रन और 577 विकेट

ब्रेट ली ने तेंदुलकर नहीं इस दिग्गज को बताया सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

नई दिल्ली। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर दुनिया के उन चुनिंदा क्रिकेटरों में से एक हैं, जिन्होंने टेस्ट और वनडे दोनों में 10,000 से ज्यादा रन बनाए हैं। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के महान खिलाड़ी जैक्स कैलिस दुनिया के इकलौते ऐसे क्रिकेटर हैं, जिन्होंने टेस्ट और वनडे में 10,000 से ज्यादा रन बनाने के साथ-साथ दोनों फॉर्मेट में 250 से ज्यादा विकेट भी लिए हैं। तेंदुलकर टेस्ट और वनडे में क्रमश: 15,921 और 18,426 रन स्कोर के साथ सबसे ज्यादा रन

बनाने वाले खिलाड़ी हैं, वहीं कैलिस को दुनिया के बेहतरीन ऑलराउंडरों में से एक माना जाता है। उन्होंने तीनों प्रारूप मिलाकर 25000 से ज्यादा रन बनाए हैं और 277 विकेट लिए हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने बताया है कि वे तेंदुलकर को अब तक का सबसे बेहतरीन बल्लेबाज और कैलिस को अब तक का सबसे बेहतरीन क्रिकेटर मानते हैं।

सबसे बेहतरीन क्रिकेटर जैक कैलिस- ली ने यूट्यूब पर पॉडकास्ट 'द रणवीर शो' में बात करते हुए कहा, 'मैंने हमेशा कहा है कि मेरे हिसाब से सचिन तेंदुलकर अब तक के सबसे बेहतरीन बल्लेबाज रहे हैं, लेकिन मेरी राय में सबसे बेहतरीन क्रिकेटर जैक कैलिस हैं। उनके आंकड़े दुनिया में सबसे अच्छे हैं। अगर आप उनके आंकड़े देखें तो वे कभी झूठ नहीं बोलते। वे सच में कमाल के हैं।'

कैलिस दबाव में कभी नहीं दिखते थे- ली ने आईपीएल में कैलिस के साथ बिताए अपने समय के बारे में भी बात की और बताया कि बैटिंग करने जाने से पहले कैलिस दबाव में कभी नहीं दिखते थे।

KBC में अमिताभ बच्चन ने पूछा सूर्यवंशी से जुड़ा सवाल

आमिर खान-सनी देयोल को नहीं पता था जवाब

नई दिल्ली। कौन बनेगा करोड़पति के 18वें सत्र के पहले एपिसोड में दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन ने आमिर खान, प्रीति जिंटा और सनी देओल ने भारतीय के उभरते क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी से जुड़ा सवाल पूछा। आमिर खान और सनी देओल को इसकी इसकी जानकारी नहीं थी। पंजाब किंग्स की सह-

मालकिन प्रीति जिंटा ने इसका जवाब दिया, लेकिन वह पूरी तरह से आश्वस्त नहीं थीं। अमिताभ बच्चन ने 1 लाख रुपये के सवाल में पूछा कि इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में ऑरेंज कैप कौन जीता? इसके लिए स्क्रीन पर पर्पल कैप के सामने गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा की फोटो दिखाई गई और पूछा गया कि ऑरेंज कैप के सामने किस खिलाड़ी को फोटो आएगी। इनमें 4 ऑप्शन केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली और वैभव सूर्यवंशी थे।

मुझे लगता है वैभव सूर्यवंशी- आमिर खान ने स्क्रीन की ओर देखते हुए प्रीति जिंटा से कहा, 'यार क्रिकेट का आपको पता होना चाहिए।'

गॉल में भारत का रिकॉर्ड

1982 से 2022 के बीच 46 मैच खेले, भारत को 22 में जीत मिली है

श्रीलंका से आखिरी बार यहीं टेस्ट गंवाया, केएल राहुल थे हिस्सा

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में भारत का रिकॉर्ड शानदार है। दोनों देशों के बीच 1982 से 2022 के बीच 46 मैच खेले गए। भारत को 22 में जीत मिली है और 7 में हार का सामना करना पड़ा। 17 मैच ड्रॉ रहे हैं। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में भारतीय टीम 11 साल से अजेय है। 2015 में उसे 63 रन से हार मिली थी। यह मैच गॉल में ही खेला गया था, जहां भारत-श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से पहला मैच खेला जाएगा। केएल राहुल उस मैच का हिस्सा थे और उनका बल्ला नहीं चला था। पहली पारी में 7 और दूसरी पारी में 4 रन बनाकर आउट हो गए। शिखर धवन और विराट कोहली ने पहली पारी में शतक जड़े थे।

2015 गॉल टेस्ट के बाद भारत का दबदबा

इस मैच के बाद से भारत और श्रीलंका के बीच 10 मैच हुए हैं। भारतीय टीम 8 मैच जीती है और 2 मैच ड्रॉ रहे हैं। एक मैच गॉल में भी हुआ है, जिसमें भारत ने 2017 में 304 रनों से जीत दर्ज की थी। भारत ने गॉल में 5 मैच खेले हैं। 2 में जीत मिली है और 3 में हार का सामना करना पड़ा है।

घुटने की चोट के कारण

सिनसिनाटी ओपन से हटे यानिक सिनर

नई दिल्ली । दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर दाहिने घुटने की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हट गए हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों ने पुष्टि की है कि इटली का यह स्टार टेनिस खिलाड़ी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएगा। इस महीने होने वाले यूएस ओपन की तैयारियों को देखते हुए इसे यानिक सिनर के लिए बड़ा झटका मानाा जा रहा है। 24 साल के इस खिलाड़ी ने साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम से पहले होने वाले एक और अहम हार्ड-कोर्ट टूर्नामेंट, कैनेडियन ओपन से भी अपना नाम वापस ले लिया था। पिछले महीने विंबलडन में अपना पांचवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद, उन्हें उम्मीद थी कि नॉर्थ अमेरिका का उनका टूर यूएस ओपन में अपने खिताब का बचाव करने से पहले उन्हें मजबूती देगा। सिनर ने एक बयान में कहा, 'अपने डॉक्टरों और अपनी टीम से सलाह लेने के बाद मुझे यह बताना पड़ रहा है कि मुझे सिनसिनाटी में मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट से हटना होगा। मेरे दाहिने घुटने में दिक्कत हो रही है और भले ही मेरी मेडिकल टीम के साथ हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन मुझे यह मानना ??होगा कि मैं अभी खेलने के लिए तैयार नहीं हूं। '

सिनर ने एक और बड़े टूर्नामेंट में हिस्सा न ले पाने पर निराशा जताई, लेकिन साथ ही कहा कि उनका अभी पूरा ध्यान ठीक होने पर है ताकि वे यूएस ओपन के लिए तैयार हो सकें। 'सिनसिनाटी में न खेल पाने से मैं बहुत निराश हूं। मैं अगले साल वापसी करने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं और अब मेरा ध्यान यूएस ओपन के लिए तैयार होने पर है। '

उनके हटने से सिनसिनाटी में टेनिस टूर्नामेंट की लाइन-अप और कमजोर हो गई है, क्योंकि यूएस ओपन चैंपियन कार्लोस अल्काराज पहले ही कलाई की चोट के कारण बाहर हो चुके हैं। सिनर के न खेलने का मतलब है कि दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी को इस महीने के आखिर में होने वाले यूएस ओपन से पहले हार्ड कोर्ट पर मुकाबले की तैयारी के लिए बहुत कम मौके मिलेंगे।इसके अलावा, उनका यह फैसला बताता है कि सीजन के मुश्किल शुरुआती हिस्से के बाद घुटने की समस्या से निपटने के लिए सावधानी बरतना जरूरी है। सिनसिनाटी ओपन का मेन ड्रॉ 13 अगस्त से शुरू होगा, जबकि यूएस ओपन का मेन ड्रॉ 30 अगस्त से शुरू होगा। अब सिनर के पास साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम से पहले ठीक होने और पूरी तरह फिट होने के लिए दो हफ्ते से थोड़ा ज्यादा समय होगा।

रोहित की छुट्टी

IPL खेल चुके खिलाड़ी को कमान, वनडे में नेपाल का बदला कप्तान

नई दिल्ली। नेपाल ने एशियन क्रिकेट काउंसिल के मेंस प्रीमियर कप से पहले वनडे क्रिकेट में कप्तान बदल दिया है। यह 50 ओवर का टूर्नामेंट 2027 एसीसी मेंस एशिया कप के लिए क्वालिफायर के तौर पर काम करता है। नेपाल ने इस टूर्नामेंट से पहले अनुभवी खिलाड़ी संदीप लामिछाने को रोहित पौडेल की जगह कप्तान बना दिया है।

लामिछाने के पास इंडियन प्रीमियर लीग में भी खेलने का अनुभव है। 2018-2019 में दिल्ली डेयरडेविल्स (दिल्ली कैपिटल्स) का हिस्सा थे और 9 मैच खेले थे। उन्होंने 13 विकेट लिए थे। 26 साल के इस लेग स्पिनर ने वनडे में 77 मैच खेले हैं और 154 विकेट लिए हैं।

पौडेल की कप्तानी में निखरा नेपाल- 2022 में पौडेल के कप्तानी संभालने से पहले लामिछाने ने 14 वनडे मैचों में नेपाल की कप्तानी की थी। पौडेल ने अपने कार्यकाल में टीम को सफलता दिलाई। उन्होंने आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 में नेपाल को 12 में से 11 वनडे मैच जिताने में मदद की, जिससे टीम ने जून 2023 में जिम्बाब्वे में होने वाले वर्ल्ड कप क्वालिफायर में जगह बनाई।

लामिछाने की उपलब्धियां

पौडेल ने बैटिंग ऑर्डर में एक भरोसेमंद और अहम खिलाड़ी की भूमिका निभाई। लामिछाने के नाम उपलब्धियां दर्ज हैं। वह वनडे में सबसे तेज 150 विकेट लेने वाले नेपाली खिलाड़ी है। वह टी20 इंटरनेशनल में 100 विकेट लेने वाले नेपाल के पहले खिलाड़ी हैं।

अफगानिस्तान वनडे वर्ल्ड 2027 के लिए क्वालिफाई

● आयरलैंड को तीसरे वनडे में 3 विकेट से हराया, राशिद खान प्लेयर ऑफ द मैच

नई दिल्ली। अफगानिस्तान ने तीसरे वनडे में आयरलैंड को 3 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ टीम ने अफगानिस्तान ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालिफाई कर लिया। बेलफास्ट में सोमवार को अफगानिस्तान ने गेंदबाजी चुनी। उसने आयरलैंड को 46.3 ओवर में 206 रन पर ऑलआउट कर दिया। फिर 44.5 ओवर में 7 विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। राशिद खान ने नाबाद 37 रन की पारी खेली। उन्होंने 3 विकेट भी झटके।

राशिद और यामिन ने जीत दिलाई

अफगानिस्तान ने एक समय 176 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद राशिद खान ने नाबाद 37 रन बनाए। उन्होंने 43 गेंदों की पारी में 4 चौके लगाए। राशिद ने यामिन अहमदजई के साथ मिलकर टीम को जीत दिलाई। यामिन अहमदजई 26 गेंदों पर 4 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों ने अफगानिस्तान को 44.5 ओवर में लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

अफगानिस्तान कैसे क्वालिफाई हुआ

अफगानिस्तान इस समय वनडे रैंकिंग में 8वें नंबर पर है। उसने आयरलैंड पर लगातार दूसरी जीत हासिल की है। इसके सहारे टीम 30 सितंबर 2026 तक वनडे रैंकिंग में खुद को टॉप-8 में कायम रख सकेगी। जोकि वनडे वर्ल्डकप क्वालिफिकेशन की कटऑफ डेट है।

UPT20: जुरेल जैसे भारतीय खिलाड़ियों के साथ खेलने से कैसे मिलता है फायदा?

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश टी20 (क्क्ष20) लीग का चौथा सीजन इस बार और भी भव्य और रोमांचक होने जा रहा है। गोरखपुर लायंस की टीम ने टूर्नामेंट के लिए अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। टीम के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज आर्यन जुयाल

और तेज गेंदबाज विशाल निषाद ने टीम की तैयारियों, रणनीतियों और आगामी सीजन पर मीडिया से विशेष बातचीत की। इस दौरान उन्होंने यह भी बताया कि ध्रुव जुरेल जैसे खिलाड़ियों के साथ खेलने से क्या लाभ मिलता है। दोनों खिलाड़ी आईपीएल में चुने जा चुके हैं खिलाड़ियों के अनुसार इस सीजन में प्रतिस्पर्धा का स्तर कहीं अधिक ऊंचा रहने वाला है। टीम प्रबंधन और ओनरशिप ने ऑक्शन से लगभग डेढ़ महीने पहले ही होमवर्क शुरू कर दिया था, जिसके दम पर एक संतुलित और मजबूत टीम कॉम्बिनेशन तैयार किया गया है।

विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप: बंदरों से निपटने का उपाय

लंगूर की आवाज निकालने वालों की ली जाएगी सेवा

नई दिल्ली। अगले सप्ताह दिल्ली में शुरू होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के दौरान बंदरों के खलल को रोकने के लिए आयोजकों ने एक अनोखा उपाय अपनाया है। उन्होंने तीन पेशेवर विशेषज्ञों को बुलाया है, जो लंगूर की तरह आवाज निकाल सकते हैं ताकि बंदरों को स्टेडियम से दूर भगाया जा सके।

भारतीय स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने माना कि यह उपाय सुनने में लोगों को मजाकिया लग सकता है, लेकिन उन्होंने कहा कि इससे यह भी पता चलता है कि भारत इस विश्वस्तरीय आयोजन को सफल बनाने के लिए कितनी गंभीरता से प्रयास कर रहा है।

इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम का व्यापक कायाकल्प- 17 वर्षों बाद भारत में लौट रही बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के लिए भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई)

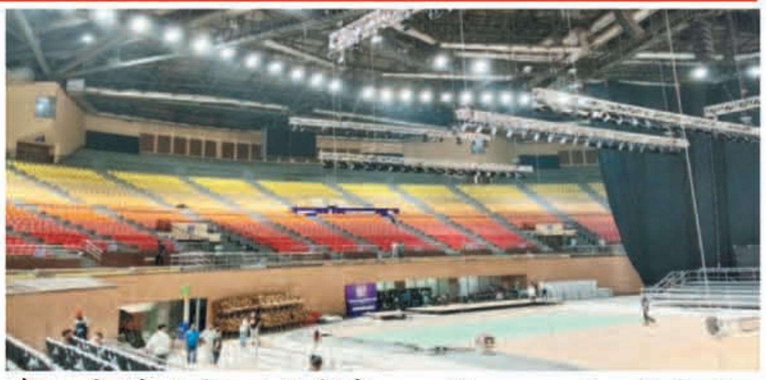

और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने मिलकर इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम का व्यापक कायाकल्प किया है। इसका उद्देश्य इस वर्ष जनवरी में हुए इंडिया ओपन के दौरान सामने आई अव्यवस्थाओं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुई आलोचना जैसी स्थिति से बचना है।

● **'रीसस मकाक' प्रजाति के बंदर-** आयोजकों ने तीन प्रशिक्षित 'मंकी व्हिस्परर्स' (बंदरों को नियंत्रित करने वाले विशेषज्ञ) को नियुक्त किया है, जो लंगूर की आवाज निकालकर 'रीसस मकाक' प्रजाति के बंदरों को डराकर भगाएंगे।

इंडिया ओपन में डाला था खलल

इंदिरा गाधी स्टेडियम में ही 17 से 23 अगस्त तक विश्व चैंपियनशिप आयोजित होगी। यह अनोखा कदम जनवरी में हुए इंडिया ओपन के बाद उठाया गया है। उस टूर्नामेंट के दौरान बंदर दर्शक दीर्घा तक पहुंच गए थे, जिससे कुछ समय के लिए मुकाबलों में व्यवधान पड़ा और इसकी तस्वीरें अंतरराष्ट्रीय मीडिया में सुर्खियां बनी थीं।

लंगूर से डरते हैं 'रीसस मकाक'

विशेषज्ञों के अनुसार, 'रीसस मकाक' बंदर लंगूर से डरते हैं। लंगूर आकार में उनसे काफी बड़े होते हैं। इसी स्वाभाविक डर का फायदा उठाने के लिए लंगूर की आवाज की नकल का इस्तेमाल किया जा रहा है। गौरतलब है कि ऐसे कार्यों के लिए वास्तविक लंगूरों के इस्तेमाल पर वर्ष 2012 में प्रतिबंध लगा दिया गया था।

यशपाल शर्मा

वर्ल्ड कप 1983 के नायक, जिन्होंने मुश्किल हालात में टीम इंडिया को संभाला था

नई दिल्ली । वनडे वर्ल्ड कप 1983 की विजेता टीम के अहम सदस्य रहे यशपाल शर्मा ने कठिन परिस्थितियों में देश के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। वह क्रिकेट प्रेमियों के लिए प्रेरणादायक व्यक्तित्व हैं। 11 अगस्त 1954 को लुधियाना में जन्मे दाएं हाथ के बल्लेबाज यशपाल शर्मा अपने मजबूत डिफेंस से किसी भी अटैक को बेअसर करने में माहिर थे। 1977-78 में दिलीप ट्रॉफी में नॉर्थ जोन की तरफ से खेलते हुए उन्होंने साउथ जोन के खिलाफ 173 रन की पारी खेलकर अपनी पहचान बनाई। अगले सीजन में यशपाल ने पाकिस्तान का दौरा किया, लेकिन टेस्ट टीम में जगह नहीं बना सके। हालांकि, कुछ वक्त बाद टीम में आखिरकार मौका मिल ही गया। करीब दो दशक लंबे प्रथम श्रेणी करियर में यशपाल ने 160 मैच खेले, जिसमें 44.88 की औसत के साथ 8,933 रन बनाए। इस दौरान 21 शतक और 46 अर्धशतक शामिल रहे। यशपाल ने फर्स्ट क्लास करियर में 201 रन की नाबाद पारी भी खेली है। साल 1978 से 1985 के बीच यशपाल ने भारत के लिए 37 टेस्ट और 42 वनडे मैच खेलते हुए मिडिल ऑर्डर को मजबूती दी। इस दौरान उनके बल्ले से टेस्ट फॉर्मेट में 33.45 की औसत के साथ 1,606 रन निकले, जिसमें 2

शतक और 9 अर्धशतक शामिल रहे। वहीं, वनडे फॉर्मेट में इस बल्लेबाज ने 28.48 की औसत के साथ 883 रन बनाए। 1981-82 में यशपाल शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ 140 रन बनाते हुए जीआर विश्वनाथ के साथ 316 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की। यशपाल वनडे वर्ल्ड कप 1983 की विजेता टीम का अहम हिस्सा रहे हैं, जो उस टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों के मामले में दूसरे पायदान पर रहे, उन्होंने 8 मुकाबलों में 34.29 की औसत के साथ 240 रन बनाए। यशपाल ने ग्रुप स्टेज में वेस्टइंडीज के खिलाफ 89 रन, जबकि सेमीफाइनल में इंग्लैंड के विरुद्ध 61 रन की पारी खेली थी। रिटायरमेंट के बाद यशपाल कोचिंग, कमेंट्री और क्रिकेट प्रशासन में सक्रिय रहे। उन्होंने दो चरणों (साल 2004-05 और 2008-11) में नेशनल सिलेक्टर के तौर पर काम किया। कई घरेलू मुकाबलों में मैच रेफरी की भूमिका निभा चुके यशपाल शर्मा दिल्ली की क्रिकेट सलाहकार समिति का भी हिस्सा रहे। 13 जुलाई 2021 को दिल का दौरा पड़ने से यशपाल शर्मा का निधन हो गया। इस दिग्गज क्रिकेटर ने अपने करियर में साबित किया है कि बड़े मंच पर दबाव के बावजूद आत्मविश्वास और मेहनत से सफलता हासिल की जा सकती है।

झुर्रियों के लिए करें एक्स्ट्रा केयर

प्रदूषण धूल-मिट्टी, तनाव, धूप और दौडभाग न जाने कितनी चीजों का सामना करना पडता है हमारी त्वचा को। ऐसे में समय रहते उचित देखभाल न करने से उम्र से पहले ही चेहरे पर झुर्रियां पड जाती हैं। यदि चेहरे व शरीर की त्वचा की सही देखभाल की जाए तो वर्षो तक चेहरा स्निग्ध व कमनीय बना रहेगा।

झुर्रियां क्यों पडती हैं

- समय के साथ त्वचा का प्राकृतिक तेल नष्ट होने लगता है और त्वचा में सूखापन आने लगता है। रूखी त्वचा पर पपडी वाले चकत्ते पड जाते हैं। त्वचा में नमी व चिकनाई का अभाव हो जाता है। जिसके कारण त्वचा और आंखों के आसपास भी लकीरें उभरने लगती हैं। गर्दन व गालों पर झुर्रियां पडने लगती हैं।
- सूर्य की तेज किरणें भी त्वचा की शत्रु हैं। वैसे तो शरीर के स्वास्थ्य के लिए सूर्य की किरणों से मिलने वाला विटमिन डी अति आवश्यक है, परंतु चेहरे की मुलायम त्वचा को सूरज की तेज किरणों से बचाना आवश्यक होता है। अन्यथा चेहरा झुलस सकता है। तेज यूवीए और यूवीबी किरणों से त्वचा का कैंसर तक होने का खतरा होता है।
- त्वचा हर क्षण, हर मौसम में बदलती है। उदाहरण स्वरूप खुशी के माहौल में, ठहाके लगाते समय हमारी त्वचा में अतिरिक्त निखार और चमक आ जाती है। जब हम दुखी और गमगीन माहौल या मूड में होते हैं तो हमारी त्वचा कुम्हला जाती है।
- तेल ग्रंथियों के कम सक्रिय होने की वजह से त्वचा में रूखापन आ जाता है। रूखी त्वचा खुश्की का शिकार होती है, जिसकी वजह से जल्दी झुर्रियां पडती हैं।

झुर्रियां कैसे दूर करें

असमय झुर्रियों के लिए आप क्या करें और क्या न करें, जानें-

क्या करें

- त्वचा को हमेशा साफ रखें, तेज डिटरजेंट के इस्तेमाल से बचें। चेहरे के लिए हमेशा ग्लिसरीनयुक्त साबुन का प्रयोग करें। मौसम परिवर्तन होने पर तेज गर्म पानी से नहाने के बजाय ठंडे या गुनगुने पानी से ही नहाएं। मुंह में पानी भर कर ठंडे पानी से छींटे मारें। झुर्रियां कम होंगी।
- सिबेशियस ग्रंथि से निकलने वाला सीबम त्वचा को नर्म और लचीला बनाता है। इसीलिए त्वचा को रूखा न रहने दें। रूखी त्वचा पर झुर्रियां जल्दी पडती हैं। ऐसे में अतिरिक्त नमी प्रदान करने के लिए मॉयस्चराइजिंग लोशन का प्रयोग करें।
- त्वचा की कोशिकाएं नमी के अभाव में निष्क्रिय होने लगती हैं। अत: रूखी त्वचा वालों को नमीयुक्त सौंदर्य प्रसाधन ही इस्तेमाल करने चाहिए।
- नियमित व्यायाम करें। योग अभ्यास से भी त्वचा कसावदार व कांतिपूर्ण होती है।

क्या न करें

- अधिक समय तक तेज धूप से अपनी त्वचा को बचाएं। यदि धूप में जाना ही पडे तो छाते या लेडीज हैट का प्रयोग करें।
- भोजन पर नियंत्रण रखें। पौष्टिक आहार त्वचा के लिए महत्वपूर्ण है। भोजन में प्रोटीन, वसा, फल, हरी सब्जियां, विटमिंस तथा खनिजों की कमी न होने दें। माडयुक्त भोजन अधिक न लें।
- अनावश्यक या जबर्दस्ती न मुसकराएं और न ही बनावटी भाव भंगिमाएं प्रदर्शित करें। स्वाभाविक तरीके से हंसे और मुसकराएं।
- धूम्रपान न करें। धूम्रपान से भी असमय त्वचा पर लकीरें उभर आती हैं।

त्वचा पर कसाव लाने वाले पैक

- एक अंडे में एक चम्मच संतरे का पाउडर और नीबू की चार बूंदें, चार चम्मच थर्मो पैक, दो चम्मच मुलतानी मिट्टी और दो चम्मच चंदन पाउडर मिलाकर गाढा सा क्रीम जैसा पैक बनाएं। इसे 20-25 मिनट तक चेहरे पर लगा रहने दें। ऐसा सप्ताह में एक बार नियमित रूप से करें। पैक लगाने से पहले अरोमा ऑयल या बादाम के तेल से 15-20 मिनट तक हलके हाथों से चेहरे की त्वचा पर नीचे से ऊपर की तरफ मालिश करें।
- इसके अलावा केले को मसल कर उसमें थोडा सा शहद मिलाएं। उसके बाद सूखी त्वचा पर लगाकर 20 मिनट के लिए छोड दें।
- अंडे का पीला भाग, आधा चम्मच शहद, दो बूंद नीबू का रस, बादाम के तेल की 4-6 बूंदें और दो बूंद ग्लिसरीन मिलाकर चेहरे पर लगाने से मेकअप के पहले की तैयारी में त्वचा पर अच्छा प्रभाव पडेगा।
- कच्चे दूध से चेहरा साफ करने व फेस पैक में शहद और संतरे का रस मिलाकर लगाने से त्वचा में निखार आता है।
- नीम, पुदीना, तुलसी की पत्ती का पाउडर और मेथी पाउडर एंटीसेप्टिक का काम करता है। लाल चंदन शीतलता और चिकनाहट प्रदान करता है।
- मूली कस कर रस निकालें व समान मात्रा में मक्खन मिलाकर चेहरे व गर्दन पर लगाएं। एक घंटे बाद हलके गरम पानी से धो दें।
- गरम पानी में संतरे के छिलके डाल दें। रात भर पडे रहने दें। सुबह इसी पानी से चेहरा धोएं। ऐसा करने से त्वचा में गजब का कसाव आ जाएगा।

मावा काजू गोटा

सामग्री : 100 ग्राम मावा, 2 आलू (उबले व मैश किए हुए), 1/4 कप हरी धनिया, 3-4 ब्रेड स्लाइस (मिक्सर में क्रश कर लें), 1 टीस्पून अदरक-मिर्ची का पेस्ट, 1 टीस्पून गरम मसाला, 1/4 टीस्पून कालीमिर्च पाउडर, 1 नींबू का रस, नमक स्वादानुसार, तलने के लिए तेल।

भरने के लिए : थोड़े से काजू व डिब्बाबंद पाइनेप्पल।

विधि : गोटे की सभी सामग्रियों को मिला लें। इसके छोटे-छोटे गोले बनाकर काजू और पाइनेप्पल को स्टफ करके गोल गोटे बना लें। सुनहरा होने तक तलें।

करें कपड़ों की देखभाल

कपड़े पहनने का शौक हर इंसान को होता है। ऐसे तो सभी कपड़ो की देखभाल जरूरी है पर कीमती कपड़ों को अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है। बिना सही देखभाल के कपड़ों की चमक खत्म हो जाती है, कुछ बातों का जरा ध्यान देने पर कपड़ों की सही देख-भाल की जा सकती है

- डिटरजेंट हमेशा अच्छी क्वालिटी का ही लें। सूती, ऊनी, रेशमी कपड़ों के लिए अलग-अलग डिटरजेंट का इस्तेमाल करें।
- शीशे या मोती जड़े कपड़े मशीन में न धोएं। मशीन के तेज घूमने से ये टूट सकते हैं या निकलकर चक्के में फंस सकते हैं।
- कई बार ज्यादा साबुन के प्रयोग से कपड़े पीले और रंगहीन हो जाते हैं। डिटरजेंट का इस्तेमाल जरूरत से न कम न ज्यादा करें। कई महिलाएं मानती हैं कि जितना साबुन रगड़ा जाएगा कपड़े उतने ही साफ धुलेंगे। यह धारणा सही नहीं है।
- कपड़े खरीदते समय मैन्युफेक्चरर कंपनी द्वारा कुछ सावधानियां दी जाती हैं, उनका पालन अवश्य करें।
- कंपनी द्वारा दी गई सावधानी पर निर्भर रहते हुए, कपड़ों को गर्म या ठंडे पानी में धोएं और छाया में सुखाएं।
- चमड़े का जैकेट, कंबल आदि कभी न घर में धोएं। महंगे कपड़े जो धोने में खराब हो सकते हैं, इन्हें ड्राइक्लीन करवाएं।
- रंग छोड़ने वाले कपड़ों ज्यादा देर तक पानी में न भिगोएं। उनका रंग निकल जाता है।
- बाजार में कलर फिक्सर मिलते हैं। इनमें निर्देशानुसार कपड़ों को भिगोएं, इससे कपड़ों का रंग नहीं निकलेगा।
- सिल्क की साड़ी यदि घर में धोनी है तो साबुन में दो चम्मच मिट्टी का तेल डालकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। साड़ी की चमक बनी रहेगी।
- रेशमी कपड़ों को नहाने के साबुन या रीठे के घोल से धो सकती हैं।
- रेशमी कपड़ों को गुनगुने पानी से हल्के हाथ से रगड़कर धोएं। इन्हे कभी कस कर नहीं निचोड़े। हल्का सा दबाकर पानी निकालें और उल्टा करके छाया में सुखने दें। ऐसे कपड़ों को कभी भी धूप में ना सुखाएं।
- रेशमी कपड़ों को धोने के बाद बिना सुखाए न छोड़े वरना कपड़ों में सिकुड़न पड़ सकती है।

सौंदर्य टिप्स

- पुदीने की चटनी बनाते समय पुदीने की पत्तियों को पीस कर एक चम्मच अलग रख लें। फिर उसमें चंदन का तेल, घिसी हुई जायफल और कच्चा दूध मिलाकर चेहरे पर लगाएं। दो घंटे बाद धो लें। मुंहासों के उपचार के लिए यह उपाय सबसे बेहतरीन है।
- एक चम्मच चने की दाल को दूध में रात भर के लिए भिगो दें। सुबह पीस कर इसमें हल्दी, मलाई और दो-चार बूंद गुलाब जल मिलाकर चेहरे पर लगाएं। सूखने पर हलके हाथों से मलकर छुडाएं। आधे घंटे बाद धो लें। यह तैलीय त्वचा के लिए प्रभावी उबटन है।
- चेहरे के दाग-धब्बे, त्वचा का सूखापन और झुर्रियां दूर करने के लिए मेथी के पत्तों को पीस कर चेहरे पर पांच मिनट तक लगाएं। फिर साफ पानी से धो लें।
- बढती आयु या अधिक मेकअप की वजह से यदि रोमछिद्र बडे हो गए हों तो नीबू का रस कच्चे दूध में मिलाकर चेहरे पर लगाएं।
- कील मुंहासे, दाग या चेहरे पर निशान लंबे समय तक नारियल पानी लगाने से मिट जाते हैं। यदि नारियल पानी उपलब्ध न हो तो दूध में बताशा भिगोकर या पानी में मिश्री भिगोकर चेहरे पर लगाएं। धीरे-धीरे दाग धब्बे दूर होंगे।
- चेहरे की रंगत निखारने के लिए आंवले के चूर्ण को दाल या सब्जी में अमचूर के स्थान पर डाल कर खाएं। भोजन के बाद आंवले के चूर्ण को फांक लें। इससे खून साफ होता है, त्वचा में निखार आता है।
- बालों की सफेदी हटाने के लिए मेहंदी में आंवला, मेथी दाना, चुकंदर का रस मिलाकर लगाने से वे कुदरती तौर पर काले और चमकदार दिखते हैं।

कारपेट व फर्श की सफाई

- लिनोलियम का फर्श डिटर्जेंट से साफ करें। ब्लीच या सोडा का इस्तेमाल न करें।
- लिनोलियम पर केरोसिन का पोंछा लगाएं। गंदगी आसानी से साफ हो जाएगी।
- ग्रेनाइट का फर्श साबुन व पानी से धोएं।
- संगमरमर के फर्श को किसी भी क्लीनिंग पाउडर व पानी से ब्रश की सहायता से रगड़ कर साफ करें। फिर केरोसिन मिले पानी से पोंछा लगाएं।
- मैट या कारपेट पर चिपकी चुइंगम को साफ करने के लिए बर्फ के टुकड़े का इस्तेमाल करें।
- नए वूलेन कारपेट को ब्रश के बजाय झाड़ू से साफ करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-4-5-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-5-6-9

धनु (ये यो भा भी भू): चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक
राकेश द्विवेदी
उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली -3976

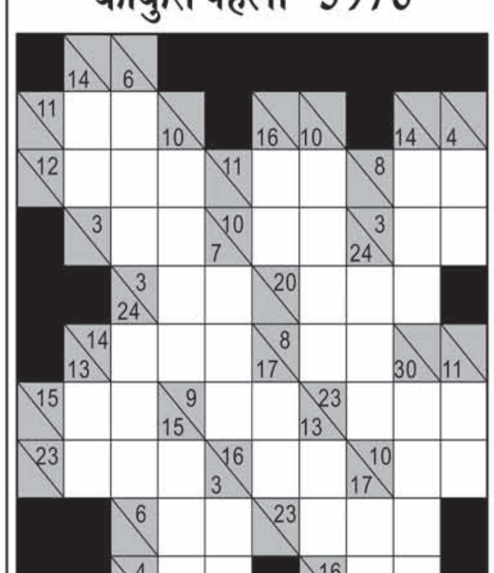

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3975 का हल

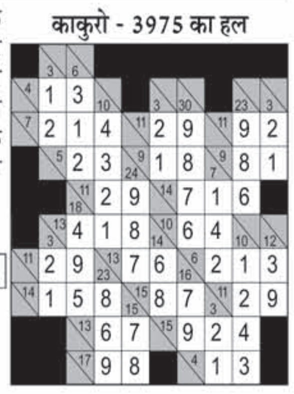

लॉफिंग जोन्स

शादी के सीजन में जगह-जगह शादी में आने-जाने के कारण रमन के पास कपड़ों की कमी-सी हो जाती? है, फिर भी वो कुछ मैनेज करके अपने खास दोस्त की शादी में जाता है, वहाँ पर दोस्त के अंकल उससे पूछते है- बेटे! ये शर्ट तो बहुत अच्छी है!

रमन- जी, मेरी नहीं है।

अंकल- पैंट भी बहुत अच्छी है।

रमन- ये भी मेरी नहीं है।

अंकल- तो फिर किसकी है?

रमन- लाँड्री वाले की..!

□ □ □

रमन सर्कस देखकर आने के बाद अपने दोस्त से मिलने गया तो उससे कहा- यार! सर्कस में एक मोटी औरत एक दुबले जोकर को खूब मारती रहती है और वह सिर्फ हँसता ही रहता है।

परेश बोला- यार तू बता इसमें नया क्या है? यह तो मेरे घर में रोज ही होता है।

□ □ □

एडवोकेट (गवाह से)- अच्छा तो अब सही-सही बता दो फटाफट, नरेश की मौत आखिर हुई कैसे?

गवाह घबरा कर बोला- बड़ा ही भुलक्कड़ था हुजूर! हो सकता है घटना के समय वह साँस लेना भूल गया हो।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3976

बायें से दायें:-

१. मनोज, विवेक, अंतरा की 'मखमली ये बदन' गीतवाली फिल्म-२
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीतवाली फिल्म-२
३. अभिषेक, ऋषिता भट्टा की फिल्म-४
६. 'बंदा ये बिंदास हैं' गीतवाली फिल्म-२
७. 'मेहंदी' में रानी का नायक ?-३
८. 'तुझे देने को मेरे पास' गीतवाली अक्षय खन्ना, उर्मिला की फिल्म-४
१०. शाहरूख, चंद्रचूड, ऐश की फिल्म-२
१२. 'विल यू मैरी मी' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
१३. 'याइला रे लड़की' गीतवाली संजय दत्त, जैकी शिल्पा, की फिल्म-२
१४. इस फिल्म में अभिनय के लिये रवीना को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था-३
१५. 'हरे रामा हरे कृष्णा' से फिल्मों में आई एक ब्यूटी क्वीन-३
१७. 'हुई आँख नम' गीत वाली फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, रणधीर कपूर, राकेश रोशन, रेखा, सनोबर कबीर की फिल्म-३
२०. राजकुमार, सुनीलदत्त वाली फिल्म 'हमराज' की नायिका-२
२१. 'ये रात ये बरसात' गीत वाली फिल्म-३
२२. मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
२३. 'मैं तुझसे मिलने' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
२४. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'समंदर' में पूनम का नायक ?-२
२७. शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
२९. 'चल प्रेमनगर जायेगा' गीत वाली रणीधीरकपूर, बबीता की फिल्म-३
३०. 'ये जो हल्का हल्का सुरूर है' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, तब्बू, रीमा सेन की एक फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'नाच मेरी बुलबुल' गीत वाली राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२
२. मिथुन, रति अग्निहोत्री की 'ऐ देखो इधर' गीत वाली फिल्म-३
३. इंतहा हो गई' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
४. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. 'यार बदल ना जाना' गीत वाली अक्षय, करीना की फिल्म-३
६. एलबम 'तेरा चेहरा' का गायक-४,२
९. निर्मात्री-नायिका पूजा भट्ट व शरद कपूर की एक फ्लॉप फिल्म-३
१०. 'जोगी मत जा' गीत वाली दिलीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-३
११. दिलीप, मनोज, वहीदा की 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
१३. अमिताभ, जया की 'दीवाने हैं दीवानों को' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल दीवाने का' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
१८. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सुनता जा' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२०. अनिलकपूर, तब्बू, पूजा बत्रा की 'पायलें झूमें' गीत वाली फिल्म-४
२१. प्रदीप कुमार, नर्गिस की 'यूँ हसरतों के दाग' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'फूल माँगूँ ना बहार' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3975

सूडोकु -3976

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3975 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

शब्द पहेली - 3976

बाएँ से दाएँ

1.बलगम-2
3.जाप,मंत्र पाठ-2
5.काया,बदन-2
7.ठाठ-बाट-2
9.गिरावट,अवनति-3
11.बुरी आदत-2
13.सदं,अच्छा-2
15.बंदर-3
17.अपशिष्ट पदार्थ-2
19.थोड़ा-2
22.दबाना,कुचलना-3
24.शारीरिक ऊंचाई-2
26.आम जनता-2
28.पिता के पिता-2
30.पक्षाघात,फालिज-3
32.मनमौजी,अलमस्त-2
34.नवीन-2
36.लोच-3
38.गाड़ी,घोड़ागाड़ी-2
41.बीता हुआ दिन-2
43.लेखनी,पेन-3
45.अधर-2
47.रांझा की प्रेमिका-2
49.अप्सरा,परी -2
51.गर्भ,कोख-3
53.दंड,शिक्षा -2
55.पाश,फंदा-2
57.परखना-3
60.वोट,अभिप्राय-2
62.हत्या-2
64.तिरस्कृत-3
66.शराब-2
67.उद्देश्य-2
68.टूंटी,नलका-2
69.आनंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्याला-2
2.धर्म आदेश-3
4.क्षण,लमहा-2
6.गगन,आकाश-2
8.सरुर,खुमार-2
10.पति की बहन-3
12.अंधकार-2
14.शर्म,लज्जा-2
16.पासों से भविष्य जानने की विद्या-3
18.भाग्य (अंग्रेजी-2)
20.रहस्य-2
21.कुर्बान-2
23.अनुकृति-3
25.जोर,बल-2
27.नाखून-2
29.दक्षिणा-2
31.पढ़ने वाला-3
33.परत-2
35.भैंस जैसा एक प्राणी-2
37.झगड़ा-3
39.भूमि,धरा -2
40.राहगीर-2
42.रक्त-2
44.मां का प्रेम-3
46.दम-2
48.आनंद-2
50.छुट्टी-2
52.झगड़ना-3
54.प्याला-2
56.प्यार-2
58.असफल-3
59.यमराज-2
61.पैंदा-2
63.संपत्ति-2
65.सम्राट-2

शब्द पहेली -3975 का हल

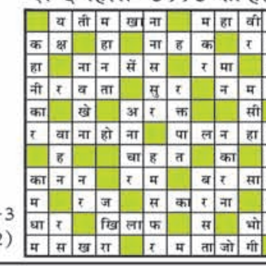

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी